

दैनिक मीडिया ऑडिटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

: वीफ वॉक्स :

खेड़ा बोले- मोदी जो बोलते नहीं, थरूर सुन लेते हैं

कांग्रेस सांसद ने जी-7 समिट में भारतीय नाविकों का मुद्दा उठाने पर पीएम की तारीफ की थी



नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम मोदी के जी-7 समिट में भारतीय नाविकों का मुद्दा उठाने पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने तारीफ की थी। अब थरूर की पार्टी के लोग ही उनकी आलोचना कर रहे हैं।

पवन खेड़ा ने शनिवार को थरूर पर तंज कसते हुए कहा- मेरे सीनियर सहयोगी शशि थरूर पीएम मोदी की तारीफ के लिए कुछ भी कर सकते हैं। अब वे वो बातें भी सुन सकते हैं जो मोदी ने कभी कही ही नहीं। दरअसल 18 जून को फ्रांस में जी-7 समिट के दौरान पीएम ने ट्रम्प से मुलाकात के दौरान भारतीय नाविकों की मौत का मुद्दा उठाया था। थरूर ने कहा था कि पीएम मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति के सामने भारत का पक्ष साफ कर दिया था।

ट्रम्प बोले- अमेरिका होर्मुज में टोल लगा सकता है

इससे मिडिल-ईस्ट में सुरक्षा पर खर्च की भरपाई करेगे

तेल अवीव/तेहरान/ वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि अगर ईरान के साथ 60 दिनों में कोई समझौता नहीं हुआ, तो अमेरिका भविष्य में होर्मुज स्ट्रेट में टोल लगाने पर विचार कर सकता है। यह शुल्क मिडिल-ईस्ट में सुरक्षा पर हुए अमेरिकी खर्च की भरपाई के लिए होगा।

हालांकि उन्होंने साफ किया कि सीजफायर के दौरान अगले 60 दिनों तक होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर कोई टोल नहीं लगाया जाएगा। 60 दिन खत्म होने के बाद भी टोल नहीं लगाया जाएगा, जब तक यह अमेरिका की तरफ से नहीं लगाया गया होता।

इस बीच अमेरिका और ईरान शांति वार्ता के लिए स्विट्जरलैंड पहुंच चुके हैं। अमेरिकी डेलीगेशन में उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, विशेष दूत स्टीव वित्कोफ और ट्रम्प के दामाद जेरेड कुशनर हैं। वहीं, ईरानी डेलीगेशन का नेतृत्व विदेश मंत्री अब्बास अराघच कर रहे हैं। संसद स्पीकर बाघेर गालिबाफ भी बातचीत में शामिल होंगे।

दावा: ब्रिटिश प्रधानमंत्री स्टार्मर आज इस्तीफा दे सकते हैं

पार्टी के 100 सांसद खिलाफ; 10 साल में 5 पीएम ने कार्यकाल से पहले पद छोड़ा



लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर सोमवार को इस्तीफा का ऐलान कर सकते हैं। साथ ही वे अपने पद छोड़ने का रोडमैप भी बता सकते हैं। यह दावा ब्रिटेन के अखबार 'द ऑब्जर्वर' की रिपोर्ट में किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक स्टार्मर ने कैबिनेट मंत्रियों, सलाहकारों और ट्रेड यूनियन नेताओं से बातचीत के बाद तय किया है कि उनका पद पर बने रहना अब मुश्किल है। हालांकि, रॉयटर्स के मुताबिक सरकारी सूत्रों ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि स्टार्मर अभी भी प्रधानमंत्री के तौर पर अपने काम करने पर ध्यान दे रहे हैं।

कॉंग्रेस जनता पार्टी का प्रदर्शन जारी

शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग पर जंतर-मंतर पर रातभर धरना; दीपके ने क्रिकेट खेला

नई दिल्ली, एजेंसी। नीट पेपर लीक के विरोध में कॉंग्रेस जनता पार्टी (CJP) का जंतर-मंतर पर रविवार को दूसरे दिन भी प्रदर्शन जारी है। प्रदर्शनकारी शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर रातभर जंतर-मंतर पर बैठे रहे।

CJP फाउंडर अभिजीत दीपके और उनके समर्थक शनिवार रात से जंतर-मंतर पर डटे हुए हैं। वे केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

दिल्ली पुलिस ने शनिवार शाम 5 बजे के बाद प्रदर्शन की अनुमति खत्म होने की बात कहकर जगह खाली करने के लिए कहा था। इसके बावजूद प्रदर्शनकारी रातभर जंतर-मंतर पर बैठे रहे।



दीपके ने लोगों से आंदोलन का समर्थन करने की अपील की। उन्होंने NEET री-एग्जाम देने वाले छात्रों से भी परीक्षा के बाद प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की। इससे पहले शनिवार को सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी प्रदर्शन में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि अगर धर्मेन्द्र प्रधान इस्तीफा नहीं देते हैं, तो वे 27 जून से अनशन शुरू करेंगे।

दिल्ली- ट्रेन में चढ़ने को लेकर यात्री की पीट-पीटकर हत्या

योगा एक्सप्रेस में सीट को लेकर विवाद; 8 हिरासत में

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के शाहदरा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-3 पर शनिवार सुबह योगा एक्सप्रेस की जनरल बोगी में चढ़ने को लेकर झड़प हो गई। सीट और चढ़ने की जल्दी में शुरू हुआ विवाद कुछ ही मिनटों में जानलेवा हमला बन गया। आरोप है कि यात्रियों के एक ग्रुप ने 32 साल के पंकज धामा को धेरकर लात-घूसों से पीटा। पंकज प्लेटफॉर्म पर गिरकर अचेत हो गया। उसे जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

हमले के वीडियो में कुछ युवक पंकज को पीटते और फिर ट्रेन में चढ़ते दिख रहे हैं। पुलिस ने केस दर्ज किया है।



- दिल्ली मेट्रो में सिवयोरिटी गार्ड पंकज इट्टी से घर लौट रहा था। पंकज धामा ग्रुपी के बागपत का रहने वाला था। वह दिल्ली मेट्रो में सिवयोरिटी गार्ड था। घटना के समय वह इट्टी खत्म कर ट्रेन से घर लौट रहा था। परिवार में पत्नी, एक बेटा और एक बेटी हैं।
- 8 आरोपी मुजफ्फरनगर से हिरासत में लिए गए। हमलावर भी यात्री थे। वारदात के बाद आरोपी ट्रेन में चढ़कर फरार हो गए। पुलिस ने मुजफ्फरनगर रेलवे स्टेशन से 8 लोगों को हिरासत में लिया है। शाहदरा स्टेशन पर पुलिस और आरपीएफ चौकी है। इसके बावजूद प्लेटफॉर्म पर भीड़ के बीच पंकज को पीटा गया और हमलावर भाग निकले।



कोलकाता, एजेंसी। तीन स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस दूनागिरी, आईएनएस संशोधक और पनडुब्बी रोधी आईएनएस अग्रय रविवार को भारतीय नौसेना में शामिल हुए। इन्हें देश

में ही डिजाइन और बनाया गया है। आईएनएस संशोधक एक बार में लगातार 12 हजार किलोमीटर तक जा सकता है। आईएनएस दूनागिरी 8 ब्रह्मोस मिसाइलों से लैस है। वहीं,

नेवी को मिले 3 स्वदेशी युद्धपोत

आईएनएस दूनागिरी ब्रह्मोस से लैस, रडार नहीं पकड़ पाएगा

आईएनएस संशोधक लगातार 12000 किमी तक चल सकता है

आईएनएस अग्रय भारतीय तटरेखा के पास मौजूद दुश्मन पनडुब्बियों को नष्ट कर सकता है। इस दौरान कार्यक्रम में पीएम नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि यह नए भारत की सबसे बड़ी ताकत है। आज भारत रक्षा क्षेत्र में केवल खरीदार बनकर नहीं रहना चाहता। हमारी सैन्य शक्ति दुनिया के लिए बाजार नहीं बन सकती। हमारी शक्ति की पहचान विश्व का बाजार बनने में नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता में है।

आईएनएस अग्रय भारतीय तटरेखा के पास मौजूद दुश्मन पनडुब्बियों को नष्ट कर सकता है। इस दौरान कार्यक्रम में पीएम नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि यह नए भारत की सबसे बड़ी ताकत है। आज भारत रक्षा क्षेत्र में केवल खरीदार बनकर नहीं रहना चाहता। हमारी सैन्य शक्ति दुनिया के लिए बाजार नहीं बन सकती। हमारी शक्ति की पहचान विश्व का बाजार बनने में नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता में है।



कोलकाता, एजेंसी। पीएम मोदी रविवार को कोलकाता में 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह शामिल हुए। उन्होंने कहा- हमारा लक्ष्य 40 साल की उम्र में 20 साल की उम्र से ज्यादा लचीले होना, 50 साल की उम्र में 30 से ज्यादा ऊर्जावान और 70 की उम्र में 50 साल से ज्यादा स्वस्थ रहना होना चाहिए।

पीएम ने कहा कि योग दुनिया का सबसे बड़ा सामुदायिक उत्सव बन चुका है, जो लोगों, देशों और संस्कृतियों को एक साथ जोड़ता है। उन्होंने कहा कि 21 जून, जो पृथ्वी का सबसे लंबा दिन माना जाता है, अब पूरी दुनिया में योग दिवस के रूप में मनाया जाता है। पीएम के साथ कोलकाता के ऐतिहासिक 'रेड रोड' पर हजारों लोगों ने योग किया। पीएम ने ताड़ासन, अर्धचक्रासन, भद्रासन, त्रिकोणासन सहित 5 आसन किए। कॉमन प्रोटोकॉल योग सत्र के दौरान पीएम लोगों के बीच पहुंचे और उनकी योग मुद्राओं को सुधारने में मदद करते नजर आए। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'Yoga for Healthy

हिमालय से हिंद महासागर तक दिखी योग शक्ति

कोलकाता में मोदी बोले: 70 की उम्र में 50 जैसा दिखें

योग इसमें मददगार, यह सबको जोड़ता है; पीएम ने 5 आसन किए, लोगों को सिखाया



लिए जरूरी है, इतना ही नहीं है, बल्कि ये एक जरूरत भी है। योग दिवस के मौके पर करोड़ों लोग योग से जुड़े हैं, आइए हम संकल्प ले योग को सिर्फ एक दिन या कार्यक्रम तक सीमित नहीं रखेंगे। भारत में, हिमालय से लेकर हिंद महासागर तक, और पूर्व में पूर्वोत्तर और बंगाल से लेकर पश्चिम में सौराष्ट्र तक, पूरा देश योग की ऊर्जा से भरा हुआ लगता है।

मोदी बोले- योग पर्सनल लाइफस्टाइल नहीं, बल्कि जरूरत बन गया है: कहा- आधुनिक समय में जीवन के असंतुलन से जुझ रहे हैं। उन्हें मशक्कत करनी पड़ रही है। योग में बैलेंस जीवन जीने की कला सिखाता है। जब हम हमारे शरीर को सही तरीके से चलाना सीख लेते हैं तो स्वास्थ्य हमारा स्वाभाव बन जाता है। योग केवल सिर्फ शरीर के स्वास्थ्य ही नहीं बल्कि मानसिक स्वास्थ्य का मार्ग भी दिखाता है। हमें क्या करना चाहिए क्या नहीं करना चाहिए, इसका बोध योग करवाता है।

योग आज के सिर्फ हमारी पर्सनल लाइफस्टाइल के लिए जरूरी है, इतना ही नहीं है, बल्कि ये एक जरूरत भी है। योग दिवस के मौके पर करोड़ों लोग योग से जुड़े हैं, आइए हम संकल्प ले योग को सिर्फ एक दिन या कार्यक्रम तक सीमित नहीं रखेंगे। भारत में, हिमालय से लेकर हिंद महासागर तक, और पूर्व में पूर्वोत्तर और बंगाल से लेकर पश्चिम में सौराष्ट्र तक, पूरा देश योग की ऊर्जा से भरा हुआ लगता है।

Ageing यानी बढ़ती उम्र के लिए योग है। इस थीम का मकसद यह बताना है कि योग सिर्फ फिटनेस का माध्यम नहीं, बल्कि उम्र बढ़ने के साथ शरीर, मन और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने का भी तरीका है।

योग केवल शारीरिक श्रम का साधन नहीं है: पीएम ने कहा- योग दिवस के मौके पर बंगाल में होना बहुत खास है। बंगाल की पवित्र भूमि, जहां विवेकानंद जैसे लोग ने योग से दुनिया को परिचित किया। लहरि महाशय जैसे महान योगियों ने परंपरा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। आज उसी धरती पर सामूहिक योग का अनुभव अलग आध्यात्मिक अनुभव दे रहा है।



मुंबई में बारिश, फिर एक्टिव हुआ मानसून

आगे बढ़ने के आसार, सोलापुर के पास 14 दिनों से रुका था; 8 राज्यों में तापमान 40 डिग्री के पार

मुंबई में हो रही बारिश की एक बड़ी वजह पश्चिमी घाट में बनने वाले बादल हैं। अरब सागर से आने वाली नम हवाएं जब पश्चिमी घाट की पहाड़ियों से टकराती हैं, तो ऊपर उठकर ठंडी हो जाती हैं और घने बादलों में बदल जाती हैं। बाद में ऊपरी हवाएं इन बादलों को मुंबई ले आती हैं। देश के ज्यादातर हिस्सों में अभी प्री-मानसून एक्टिव है। इसके बावजूद 8 राज्यों में तापमान 40 डिग्री के पार है। उत्तर प्रदेश का बाढ़ एक बार फिर देश में सबसे गर्म रहा। यहां शनिवार को पारा 44.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। दिल्ली में भी तापमान 40 डिग्री दर्ज किया गया।

तीन राज्यों में बारिश संभव मौसम विभाग के मुताबिक, 23 जून के आसपास मानसून महाराष्ट्र, तेलंगाना, ओडिशा, झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ सकता है। 12 से 26 जून के बीच मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में बारिश हो सकती है। सेटेलाइट तस्वीरों में भी अब बादलों का दायरा बढ़ता दिखाई दे रहा है। एपी-छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर अटका मानसून 23 जून को आगे बढ़ सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक महाराष्ट्र, तेलंगाना, ओडिशा, झारखंड, बिहार और छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में मानसून को आगे बढ़ाने वाले सिस्टम एक्टिव हो गए हैं।

पंजाब के निहंग सिंघों का उत्तराखंड में गुरुद्वारे पर कब्जा

- सेवादार को बंधक बनाया, रुद्रप्रयाग में अंतरजाल बंद
- भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल-प्रांतीय सशस्त्र कांस्टेबुलरी ने घेराबंदी की



रुद्रप्रयाग/चंडीगढ़, एजेंसी। उत्तराखंड के चमोली स्थित कर्णप्रयाग में 16 जून को हुए विवाद के बाद शनिवार देर शाम रुद्रप्रयाग के नगरासू स्थित गुरुद्वारे में पंजाब से आए निहंगों ने कब्जा कर लिया। उन्होंने दो लोगों को बंधक भी बनाया। हालांकि, विवाद बढ़ने पर निहंगों ने एक व्यक्ति को छोड़ दिया, जबकि एक सेवादार को बंधक बनाए रखा।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभालने में जुट गए। हालांकि, हालात बिगड़ने पर सेना से मदद मांगी गई, जिसके बाद सेना की ओर से भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल को मौके पर भेजा गया। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल के पहुंचने के बाद स्थिति पर नियंत्रण पाया गया, लेकिन इलाके में अभी भी तनाव बना हुआ है।

मौके पर पुलिस, प्रांतीय सशस्त्र कांस्टेबुलरी और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल की भारी तैनाती की गई है। नगरासू में अंतरजाल बंद कर दिया गया है। आज सुबह रुद्रप्रयाग के जिला मजिस्ट्रेट विशाल मिश्रा निहंगों से बातचीत करने पहुंचे, लेकिन उन्होंने बात ही नहीं की। हालात को देखते हुए चमोली और रुद्रप्रयाग जिलों के संवेदनशील क्षेत्रों में थारा 163 लागू कर दी गई है, जो 27 जून तक प्रभावी रहेगी।

इधर, पंजाब में वारिस पंजाब दे के नेता मनप्रीत सिंह अयाली ने हेमकुंड यात्रा के दौरान सिखों की सुरक्षा की मांग की है। साथ ही उनका एक जल्था उत्तराखंड सरकार और प्रशासन से मुलाकात करने के लिए रवाना हुआ है। वहीं, विवाद के बाद गिरफ्तार किए गए मोहाली के सोहाना गांव निवासी सिखों के परिजन ने चमोली पुलिस को पत्र लिखकर मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

योगी बोले- बेटीयों को छेड़ने वाला यमराज के घर जाएगा

सापा मोहम्म-ईद पर उड़ता कराती, कांवड़ यात्रा-कृष्ण जन्मोत्सव पर रोक लगाती थी



महोबा/हमीरपुर, एजेंसी। सीएम योगी ने रविवार को हमीरपुर में कहा- सपा सरकार में हर जिले में एक माफिया होता था। ये माफिया जमीनों पर कब्जा करते थे। व्यापारी और बेटी के लिए संकट खड़ा करते थे। पुलिस पर हमला करते थे। छवि खराब होती थी- बुंदेलखंड की।

योगी ने कहा- आज माफिया के लिए कोई जगह नहीं है। माफिया अब जेल में है या मिट्टी मिल गए। अब बेटी की सुरक्षा में कोई संदेह नहीं लगा सकता है। अगर ऐसा दुस्साह कोई करता है तो यमराज के घर जाएगा। कहा- 21 जून हो गया, लेकिन मानसून नहीं आया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर योगमय हुआ दिल्ली-एनसीआर सीएम समेत दिग्गज नेताओं ने लिया भाग

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर समेत आज यानी रविवार को पूरे देश में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है। दिल्ली में लाल किला, कर्नाट प्लेस, कर्तव्य पथ के साथ ही डीडीए, एनडीएमसी व एमसीडी के पार्को में एक साथ योग कार्यक्रम हो रहे हैं।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आसोला-भाटी में नीली झील किनारे सैकड़ों योग साधकों के साथ योगाभ्यास में सम्मिलित हुईं।

इस अवसर पर सांसद श्री रामबीर सिंह बिष्टुड़ी, मंत्री सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा, विधायक श्री करतार सिंह तंवर सहित वरिष्ठ नेता व अधिकारी उपस्थित हुए। राजधानी दिल्ली स्थित जामा मस्जिद परिसर में लोगों के साथ योग करते गांधी स्मृति के उपाध्यक्ष विजय गोयल व दिल्ली भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष अनीस अब्बासी।

12वें अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिल्ली के इंडिया गेट पर आयोजित कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों ने एक साथ योग किया। अभिनेत्री शिन्पा शेड्री गुरुग्राम में 12वें सालाना अंतराष्ट्रीय योग दिवस सेलिब्रेशन में शामिल हुईं। इस साल के योग



दिवस की थीम है 'स्वस्थ उम्र बढ़ाने के लिए योग।'।

भाजपा सांसद रवि शंकर प्रसाद ने किया योग: भाजपा सांसद रवि शंकर प्रसाद ने संसद परिसर में आयोजित कार्यक्रम में योग किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज एक ऐतिहासिक दिन है। आज प्रधानमंत्री मोदी ने योग को शांति और सद्भाव का इतना बड़ा नाम बना दिया कि पूरी दुनिया इसके साथ है।

शिप्रा सनसिटी में हुआ योग कार्यक्रम: गाजियाबाद की शिप्रा सनसिटी फेज दो में अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दैनिक जामरण द्वारा आयोजित कार्यक्रम में योग करते लोग।

खेल मंत्री के साथ अभिनेता अक्षय

कुमार ने किया योग: केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया और अभिनेता अक्षय कुमार ने दिल्ली में 12वें सालाना



अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में हिस्सा लिया।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने किया योग:

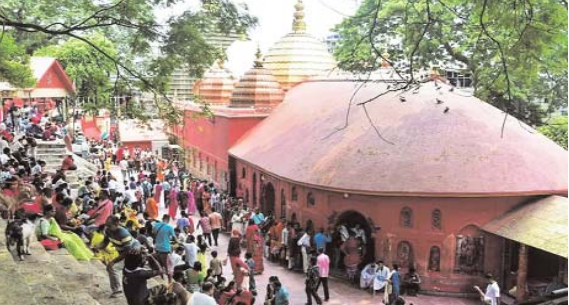
दिल्ली सीएम ने दी योग दिवस की शुभकामनाएं

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्लीवासियों को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'योग हमारी प्राचीन संस्कृति का अनुपम उपहार है। यह शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करता है। व्यस्त दिनचर्या में योग आत्मिक शांति एवं उत्तम स्वास्थ्य प्रदान करता है। आज के दिन योग को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने का संकल्प लें।' 12वें अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लाइव सुनते लोग। गुरुग्राम में योगाभ्यास करते साधक : 12वें अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सोहना ब्लॉक योग सत्र द्वारा भोंडी स्थित लेबरम स्कूल में आयोजित योग कार्यक्रम में योगाभ्यास करते साधक। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सोहना के विधायक तेजपाल तंवर भी मौजूद रहे।

असम में अंबुबाची मेला की तैयारी तेज, कामाख्या मंदिर में 22 जून से शुरू होगा चार दिवसीय उत्सव

गुवाहाटी, एजेंसी। पूर्वी भारत

के सबसे बड़े धार्मिक उत्सवों में से एक अंबुबाची मेला 2026 के लिए असम सरकार और कामाख्या मंदिर प्रबंधन ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। गुवाहाटी की ऐतिहासिक नीलाचल पहाड़ी पर स्थित माँ कामाख्या मंदिर में इस वर्ष देश-विदेश से 8 लाख से अधिक श्रद्धालुओं, साधु-संतों और तांत्रिक साधकों के जुटने की उम्मीद है। देवी कामाख्या के वार्षिक मासिक धर्म चक्र और स्त्री शक्ति के प्रतीक के रूप में मनाया जाने वाला यह चार दिवसीय उत्सव 22 जून को 'प्रवृत्ति' के साथ शुरू होगा और 26 जून को 'निवृत्ति' के साथ समाप्त होगा। इस दौरान तीन दिनों तक मंदिर के



कपाट पूरी तरह बंद रहेंगे और श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षा, स्वास्थ्य और भोजन के विशेष प्रबंध किए गए हैं।असम की पर्यटन मंत्री अजंता नियोग ने मेले की व्यवस्था को लेकर कहा, 'यह देश का सबसे बड़ा धार्मिक अंबुबाची मेला है। भारत और विदेश से लाखों लोग यहां आते हैं। हम

को पीने का पानी, भोजन, चिकित्सा सेवाएं और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए हर तरह से तैयार हैं। हमने निचले स्थानों पर शिविर और भोजन की व्यवस्था की है। लगभग 8 लाख लोगों के आने की उम्मीद है, इसलिए इस आयोजन का प्रबंधन एक बड़ी चुनौती है। हम

श्रद्धालुओं से अनुरोध करते हैं कि वे मेले के दौरान सुबह 5 बजे से शाम 6 बजे तक कामाख्या मंदिर अवश्य आएँ। '

असम सरकार ने भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था की

मेले के सुचारु संचालन को सुनिश्चित करने के लिए, असम सरकार ने भीड़ प्रबंधन, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवाओं, सुरक्षा, परिवहन और आवास सुविधाओं के लिए 24 विभागों में 4.55 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। मंदिर अधिकारियों ने सभी ऑफलाइन विशेष दर्शन काउंटरों को भी बंद कर दिया है।

मानसून की धमाकेदार एंट्री: दिल्ली-यूपी समेत 23 राज्यों में झमाझम बारिश का अलर्ट, पहाड़ों पर भूस्खलन की चेतावनी



नई दिल्ली, एजेंसी। मौसम विभाग ने एक बार फिर देश के बड़े हिस्से में भारी बारिश, आंधी और तूफान का अलर्ट जारी किया है। आज दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार सहित 23 राज्यों में तेज बारिश और 80-90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, कई राज्यों में बिजली गिरने, तेज आंधी और कुछ स्थानों पर ओले गिरने की भी आशंका है। पूर्वोत्तर राज्यों में जोदार आंधी के चलते पेड़ उखड़ने और संपर्क को नुकसान पहुंचने का खतरा है। पहाड़ी राज्यों में यात्रा करने वालों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

देश के 23 राज्यों में दुष्पक्ष का अलर्ट: मौसम विभाग के मुताबिक, देश के 23 राज्यों, जिनमें उत्तर प्रदेश, दिल्ली, बिहार, हरियाणा, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, बंगाल, ओडिशा, सिक्किम, ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, असम, त्रिपुरा, मेघालय, केरल, तमिलनाडु, अंडमान निकोबार, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में भारी बारिश के अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान 80 से 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं भी चलेंगी। लोगों को बारिश के साथ बिजली गिरने से सावधान रहने को भी कहा गया है। मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश के 35 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है।

हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में मौसम का हाल: भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने आज उत्तर भारत के प्रमुख पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में मौसम के मिजाज में बड़े बदलाव की चेतावनी जारी की है। पहाड़ों पर भूस्खलन की चेतावनी जारी की है। सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के कारण आज इन तीनों राज्यों के अधिकांश हिस्सों में तेज आंधी-तूफान, आकाशीय बिजली चमकने और मूसलाधार बारिश होने की प्रबल संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कई जिलों में विशेष अलर्ट भी जारी किया है, जिसके तहत मैदानी और पहाड़ी दोनों क्षेत्रों में 40 से लेकर 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से विनाशकारी हवाएं चल सकती हैं।

पहाड़ों पर होगी ओलावृष्टि: जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के सुदूर उंचाई वाले इलाकों में आज गरज-चमक के साथ भारी बारिश और ओलावृष्टि होने की आशंका है, जिससे अचानक तापमान में भारी गिरावट आएगी और ठंड बढ़ जाएगी। वहीं, हिमाचल प्रदेश के चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला और सिरमौर जैसे प्रमुख पर्यटन व बागवानी क्षेत्रों में आज के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

पश्चिम बंगाल दिवस पर पीएम मोदी का बांग्ला में संदेश, मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी को लिखा खास पत्र

कोलकाता, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल दिवस के अवसर पर एक विशेष संदेश जारी करते हुए मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी को बांग्ला भाषा में पांच पन्नों का पत्र लिखकर राज्यवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। इस पत्र में प्रधानमंत्री ने बंगाल के ऐतिहासिक गौरव, राष्ट्रवाद और डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि औपनिवेशिक भारत में सबसे पहले बंगाल से ही 'वंदे मातरम' की गूंज उठी थी। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में हालिया बंगाल विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि अप्रैल-मई में राज्य के लोगों ने ऐसा जनादेश दिया है, जिसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि रिकार्ड मतदान, महिलाओं और युवाओं की अभूतपूर्व भागीदारी इस चुनाव की खास पहचान रही। प्रधानमंत्री ने कहा कि जनता ने भाजपा को आशीर्वाद देते हुए उम्मीद जताई है कि बंगाल अब सुशासन, विकास और नई आशाओं की राजनीति की ओर आगे बढ़ेगा। मोदी ने कहा कि राज्य के लोगों की इच्छा है कि बंगाल अपना खोया हुआ गौरव फिर हासिल करे, जो पुरानी और अप्रासंगिक विचारधाराओं के कारण कमजोर पड़ गया था। उन्होंने यह भी कहा कि यह जनादेश ऐसे समय आया है जब देश डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती मना रहा है, जिससे इसका महत्व और बढ़ जाता है। 'वंदे मातरम' का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि जब भारत अंग्रेजी शासन के दमन का सामना कर रहा था, तब बंगाल से उठी यह आवाज पूरे देश के लिए प्रेरणा बनी।

इलाज कराने आ रहे हैं या जान जोखिम में डालने गाजियाबाद के संयुक्त अस्पताल में अर्थिंग के नाम पर बिछा है 'खतरे का जाल'

गाजियाबाद, एजेंसी। संजयनगर स्थित संयुक्त अस्पताल के अधिकारी, चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मी मनमानी कर रहे हैं। आलम यह है कि मरीजों के साथ खुद की सुरक्षा को भी खतरे में डाल रहे हैं। जांच में पता चला है कि अस्पताल के आपरेशन थियेटर,इमरजेंसी और पैथालाजी लैब में उच्च अर्थिंग वेल्यू की मानक से कई गुना अधिक है। प्रदेश सरकार द्वारा नामित अस्पतालों की स्वास्थ्य सेवाओं की मेटेनेंस कंपनी साइरेक्स के अधियंताओं की स्थलीय जांच में इसका खुलासा हुआ है। जांच में पता चला है कि उक्त अस्पताल में उच्च अर्थिंग वेल्यू 80 वोल्टेज की बिजली आपूर्ति हो रही है। यह खतरनाक है। नियम है कि पांच वोल्टेज की आपूर्ति होनी चाहिए।मैडिकल उपकरणों में आग लगने की संभावना बढ़ गई है। साइरेक्स ने यह जांच रिपोर्ट सीएमएओ, सीएमएस और महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य को भेजी है। यह निरीक्षण 28 अप्रैल को किया गया था। निरीक्षण एमएमजी अस्पताल में भी किया गया,जहां स्थिति सही पाई गई।

सुरक्षा के लिए अर्थिंग प्रतिरोध क्यों महत्वपूर्ण: अर्थिंग प्रतिरोध सीधे तौर पर सिस्टम की सुरक्षा और परिचालन विश्वसनीयता को प्रभावित करता है। कम प्रतिरोध वाला पथ यह सुनिश्चित करता है कि फॉल्ट करंट सीधे से समाप्त हो जाए, जिससे खतरनाक वोल्टेज का संचय रोका जा सके।

पोलैंड के राष्ट्रपति ने जेलेंस्की से सम्मान वापस लिया: यूक्रेनी अधिकारी नाराज क्या रूस के दबाव में हुआ फैसला

वारसॉ, एजेंसी। पोलैंड के

राष्ट्रपति कैरोल नवरोत्स्की द्वारा यूक्रेन के राष्ट्रपति अदिजेंद्र जेलेंस्की से देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान वापस लेने के फैसले पर यूक्रेन ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। यूक्रेनी अधिकारियों का कहना है कि यह कदम केवल रूस को फायदा पहुंचाएगा, क्योंकि माँस्को चाहता है कि यूक्रेन और उसके सहयोगी देशों के बीच मतभेद बढ़ें। राष्ट्रपति नवरोत्स्की ने शुक्रवार को घोषणा की कि जेलेंस्की से 'ऑर्डर ऑफ द व्हाइट ईगल' सम्मान वापस लिया जाएगा। यह फैसला जेलेंस्की द्वारा यूक्रेन की एक सैन्य इकाई का नाम 'यूक्रेनियन इंसेजेंट आर्मी' (यूपीए) के नाम पर रखने के बाद लिया गया।

2023 में जेलेंस्की को



मिला था सम्मान: यह सम्मान पूर्व पोलिश राष्ट्रपति अदिजेंद्र डूडा ने वर्ष 2023 में जेलेंस्की को यूक्रेन की सुरक्षा, मानवाधिकारों की रक्षा और रूस के खिलाफ संघर्ष में उनके योगदान के लिए दिया था। विवाद की जड़ मई में जारी वह आदेश है, जिसमें जेलेंस्की ने यूक्रेन की विशेष सैन्य बलों के प्रति 'अभिन्न व्यवहार' बताया। उन्होंने कहा कि यह फैसला माँस्को के लिए एक तोहफा है, जिसका इस्तेमाल रूस दोनों देशों के बीच दूरी बढ़ाने के

पोलिश नागरिकों की हत्या के आरोप हैं।

'यूक्रेन को पोलैंड का समर्थन नहीं होगा कम': राष्ट्रपति नवरोत्स्की ने कहा कि पोलैंड के अधिकांश लोगों के लिए यूपीए एक ऐसा संगठन है, जो युद्धकाल में पोलिश नागरिकों के खिलाफ क्रूर अपराधों के लिए जिम्मेदार माना जाता है। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस फैसले का मतलब यह नहीं है कि रूस के खिलाफ युद्ध में यूक्रेन को पोलैंड का समर्थन कम हो जाएगा। यूक्रेन के राष्ट्रपति कार्यालय के प्रमुख किरिलो बुडानोव ने इस कदम को यूक्रेनी जनता के प्रति 'अभिन्न व्यवहार' बताया। उन्होंने कहा कि यह फैसला माँस्को के लिए एक गलत फैसले का जवाब दूसरे गलत फैसले से नहीं दिया जाना चाहिए।

लिए करेगा।

पोलैंड के फैसले को यूक्रेन ने बताया रणनीतिक गलती: यूक्रेन के विदेश मंत्री एंड्री सिबिहा ने भी इसे पोलैंड के राष्ट्रपति की 'रणनीतिक गलती' बताया। वहीं पोलैंड में यूक्रेन के राजदूत वासिल बोदनार ने कहा कि ऐसे समय में यह फैसला बेहद दुःखद है, जब यूक्रेन लगातार रूसी मिसाइल और ड्रोन हमलों का सामना कर रहा है। विवाद बढ़ने के बाद यूक्रेन के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने भी पोलैंड से मिले अपने सरकारी सम्मान लौटाने की घोषणा कर दी है। हालांकि यूक्रेन के पूर्व प्रधानमंत्री आर्सेनी यात्सेन्युक ने इस प्रतिक्रिया की आलोचना करते हुए कहा कि एक गलत फैसले का जवाब दूसरे गलत फैसले से नहीं दिया जाना चाहिए।

बलूचिस्तान में उत्पीड़न के खिलाफ ब्रिटेन ने खींचा दुनिया का ध्यान

यूनिटॉन सम्मेलन में उठा मुद्दा

ब्रेटा, एजेंसी। भारत में बिगड़ते हालात पर दुनिया में आवाज उठाने वाला पाकिस्तान अपने ही देश में लोगों को जबरन गायब करने और हत्याओं को लेकर वैश्विक आलोचना का शिकार होता जा रहा है। ताजा मामलों के तहत बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा समेत कब्जे वाले कश्मीर को लेकर उसे आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। ब्रिटेन में आयोजित सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र संघ (यूनिटॉन) ने एक कॉन्फ्रेंस में बलूचिस्तान के मानवाधिकारों के हालात पर सबका ध्यान खींचा। 16 जून से जारी इस वार्षिक प्रतिनिधिमंडल सम्मेलन में ट्रेड यूनियन प्रतिनिधियों ने बलोच कार्यकर्ताओं को जबरदस्ती गायब करने, बिना कानूनी प्रक्रिया के हत्याओं, अभिव्यक्ति की आजादी पर पाबंदियों और बलोच एकजोहती कमेटी (बीवाईसी) के सदस्यों की हिरासत पर



पाकिस्तान की आलोचना की। बलोच कार्यकर्ता ओमर करीम ने यह मुद्दा उठाया। कार्यक्रम में ब्रिटेन भर से आए करीब 1,000 प्रतिनिधियों और इतने ही ऑब्जर्वरों ने इन हालात को बेहद खतरनाक बताया।

ब्रिटेन में किया वैश्विक ध्यान:कर्षण: ब्रिटेन में जारी अभियान का मकसद दुर्व्यवहार की रिपोर्टों पर अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित करना और जवाबदेही व न्याय के लिए समर्थन को

बढ़ावा देना था। करीम ने दुनिया भर में ट्रेड यूनियनों, राजनीतिक संगठनों और मानवाधिकार मंचों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने के लिए बलोच समुदाय के लोगों से आह्वान किया गया। कार्यक्रम में बलूचिस्तान, खैबर-पख्तूनख्वा और सिंध जैसे राज्यों में महिलाओं और बच्चों पर होने वाले उत्पीड़न की तरफ ध्यान खींचा गया।

क्वेटा जेल में बंद बीवाईसी नेताओं के प्रदर्शन पर अफसरों की

निंदा: बलोच एकजोहती कमेटी (बीवाईसी) के हिरासत में लिए गए नेताओं ने क्वेटा की हड़ जेल में लगातार छठे दिन अपना धरना जारी रखा। वे एक ऐसी न्यायिक प्रक्रिया को चुनौती दे रहे हैं कि जिसे वे अपारदर्शी मानते हैं। द बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, यह विरोध अधिकारियों के उस फैसले के खिलाफ है जिसमें खुली अदालत के बजाय फेसलेस ट्रायल (बिना आमने-सामने की सुनवाई) के जरिये अदालती कार्यवाही की जा रही है। जेल के भीतर

इस विरोध प्रदर्शन में बीवाईसी की मुख्य आयोजक महरंग बलोच, बीबी बलोच, गुलजादी और कई अन्य लोग शामिल हैं। ये सभी मार्च 2025 से हिरासत में हैं। इन लोगों ने ट्रायल के इस नए तरीके को मानने से इन्कार कर दिया है। बीवाईसी का तर्क है कि सार्वजनिक सुनवाई हर आरोपी का एक मौलिक सांविधानिक और कानूनी अधिकार है। एक वीडियो बयान में, महरंग बलोच की बहन ने कहा, बलूचिस्तान के प्रॉक्सियूटर जनरल प्रांतीय गृह मंत्रालय का प्रतिनिधित्व कर रहे थे।

सिख दंपती की हत्या पर पाकिस्तानी मानवाधिकार आयोग गंभीर

पाकिस्तान के मानवाधिकार आयोग (एचआरसीपी) ने मरदान में सिख दंपती की हत्या को गंभीरता से लिया है। आयोग ने इस घटना को देश भर में धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और पूजा स्थलों की हिफाजत के लिए गंभीर चिंता का विषय बताया। मारे गए दोनों लोग मरदान के बाबू मोहल्ला में एक गुरुद्वारे की देखभाल करते थे, जहां एक हमले में उनकी मौत से अल्पसंख्यक अधिकार समर्थकों में भारी चिंता है। आयोग ने कहा, ये हत्याएं न केवल अल्पसंख्यकों की सुरक्षा, बल्कि हमले से जुड़े हालात को लेकर भी गंभीर चिंताएं पैदा करती हैं। आयोग ने पुलिस के उन सार्वजनिक बयानों पर भी चिंता जताई।

स्वस्थ आयु के लिए योग: सामूहिक योगाभ्यास से दिया निरोग जीवन का संदेश योग को बनाएं जीवनशैली, स्वस्थ भविष्य की रखें नींव : सांसद

योग है स्वस्थ, अनुशासित और सशक्त जीवन का आधार : विधायक

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के अवसर पर जिले के छत्रसाल स्टेडियम सहित विभिन्न स्थानों पर सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम उत्साह एवं जनभागीदारी के साथ आयोजित किए गए। जिला स्तरीय कार्यक्रम छत्रसाल स्टेडियम में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा के मुख्य आतिथ्य एवं विधायक सीधी रीती पाठक की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह, कलेक्टर विकास मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, युवा एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने सहभागिता कर स्वस्थ जीवन का संकल्प लिया कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का सजीव प्रसारण किया गया प्रधानमंत्री ने स्वस्थ आयु के लिए योग की थीम पर बल देते हुए कहा कि



योग केवल शारीरिक अभ्यास नहीं बल्कि जीवन को संतुलित ऊर्जावान और सकारात्मक बनाने की भारतीय संस्कृति की अमूल्य विरासत है उन्होंने युवाओं से तनावमुक्त, अनुशासित और स्वस्थ जीवन के लिए नियमित योग अपनाने का आह्वान किया सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

के सतत प्रयासों से आज योग विश्व के करोड़ों लोगों की जीवनशैली का हिस्सा बन चुका है उन्होंने कहा कि योग भारतीय संस्कृति का ऐसा अमूल्य ज्ञान है जो शरीर को निरोग मन को शांत और व्यक्तित्व को सशक्त बनाता है उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि यदि युवा प्रतिदिन योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करें तो वे न

केवल शारीरिक रूप से फिट रहेंगे बल्कि मानसिक रूप से भी मजबूत बनकर राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे विधायक सीधी रीती पाठक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योग को वैश्विक पहचान दिलाकर भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा को विश्व पटल पर स्थापित किया है वहीं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में योग



संस्कृति को व्यापक जनभागीदारी के साथ बढ़ावा दिया जा रहा है योग हमारी प्राचीन परंपरा के साथ आधुनिक जीवन की आवश्यकता भी है आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में योग युवाओं को सकारात्मक सोच आत्मविश्वास, एकाग्रता और अनुशासन प्रदान करता है जिससे वे हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं कार्यक्रम में उपस्थित

जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने नागरिकों से नियमित योग अपनाने, परिवार एवं समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा योग को जनआंदोलन के रूप में आगे बढ़ाने का आह्वान किया सामूहिक योगाभ्यास के माध्यम से जिलेवासियों ने स्वस्थ जीवन सशक्त समाज और विकसित भारत के निर्माण के लिए सामूहिक संकल्प भी लिया।

कुकराव गांव में जमीन विवाद को लेकर एक ही परिवार के दो पक्ष भिड़े, पुलिस ने संभाली स्थिति



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सिंगरौली जिले के तिनगुडी चौकी क्षेत्र अंतर्गत कुकराव गांव में रविवार को जमीन विवाद को लेकर एक ही परिवार के दो पक्षों के बीच तनावपूर्ण स्थिति उत्पन्न हो गई विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और गांव में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया तिनगुडी चौकी प्रभारी अमन वर्मा के अनुसार यह विवाद गजेंद्र गुप्ता और संजय गुप्ता के परिवारों के बीच है जो आपस में रिश्तेदार भी हैं बताया गया कि गजेंद्र गुप्ता संजय गुप्ता के पिता द्वारा लगभग दो एकड़ जमीन अपने नाती संजय गुप्ता के नाम कर दी गई थी जिसे लेकर लंबे समय से पारिवारिक मतभेद चल रहा था रविवार को जमीन के स्वामित्व और कब्जे को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हुई, जो

देखते ही देखते तीखी बहस और धक्का-मुक्की में बदल गई। इस दौरान दोनों ओर से लोग लोहे के औजार लेकर आमने-सामने आ गए जिससे स्थिति और भी गंभीर हो गई घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल गांव पहुंची और दोनों पक्षों को अलग कर मामला शांत कराया पुलिस ने मौके से स्थिति का जायजा लिया और आवश्यक जानकारी एकत्र की पुलिस के अनुसार इस घटना में किसी भी पक्ष को गंभीर चोट नहीं आई है दोनों पक्षों ने तिनगुडी चौकी पहुंचकर एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है पुलिस ने दोनों पक्षों के आवेदन लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है अधिकारियों ने बताया कि जांच के दौरान जो भी तथ्य सामने आएंगे उनके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिक्कलहाल गांव में स्थिति सामान्य है लेकिन एहतियात के तौर पर पुलिस द्वारा नियामनी रखी जा रही है ताकि किसी भी प्रकार की अग्रिय घटना दोबारा न हो।

जोगी पहाड़ी गांव में आगजनी से हड़कंप, पीड़ित परिवार का सड़क पर प्रदर्शन; दो घंटे चक्का जाम के बाद पुलिस ने दिया कार्रवाई का भरोसा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मझौली जनपद पंचायत की दादर ग्राम पंचायत के जोगी पहाड़ी गांव में रविवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक घर में आगजनी और मारपीट की गंभीर घटना सामने आई इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया और आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन की कथित ढीली कार्रवाई के विरोध में सड़क पर उतरकर चक्का जाम कर दिया पीड़ित सुदर्शन साकेत ने आरोप लगाया कि रविवार सुबह लगभग 6 बजे गांव के ही सूर्यभान साकेत अपने कुछ साथियों के साथ उनके घर पहुंचे आरोप है कि पहले की की महिलाओं के साथ गाली-गलौज की गई और फिर मारपीट की



घटना को अंजाम दिया गया इसके बाद हमलावरों ने घर में आग लगा दी और मौके से फरार हो गए आग इतनी तेजी से फैली कि घर में रखा अनाज, कपड़े, बर्तन और फर्नीचर सहित पूरी गृहस्थी जलकर राख हो गई। घटना की सूचना मिलने पर मड़वास थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया लेकिन तब

तक काफी नुकसान हो चुका था घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने दोपहर लगभग 12 बजे सड़क पर प्रदर्शन शुरू कर दिया पीड़ित परिवार अपनी पत्नी और बच्चों के साथ सड़क पर धरने पर बैठ गया और घर से बचा हुआ सामान-चारपाई, कुर्सी, टेबल और बर्तन-सड़क पर रखकर चक्का जाम कर दिया इस दौरान सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई और

यातायात पूरी तरह बाधित हो गया ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और आरोप लगाया कि दबंगों के खिलाफ समय पर सख्त कार्रवाई नहीं की जा रही है जिससे उनका आक्रोश बढ़ता जा रहा है स्थिति को देखते हुए दोपहर करीब छह बजे मड़वास थाना प्रभारी अतर सिंह और बिजली विभाग के जेई राजेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाझप दी और निष्पक्ष जांच, आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी तथा पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया पुलिस के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने प्रदर्शन समाप्त किया और लगभग दो घंटे बाद मार्ग को पुनः चालू कर दिया गया।

आरसेटी सीधी के महिला परिधान प्रशिक्षण बैच का समापन, 31 महिलाओं ने सीखे स्वरोजगार और उद्यमिता के गुर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत यूनियन ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी) सीधी द्वारा संचालित 31 दिवसीय महिला परिधान प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन किया गया। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया एवं भारत सरकार के संयुक्त उपक्रम के तहत आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 31 महिला प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लेकर आधुनिक परिधान निर्माण, सिलाई-कटाई, डिजाइनिंग एवं उद्यमिता से संबंधित व्यावहारिक कौशल हासिल किए समापन समारोह में आरसेटी के निदेशक ने प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में कौशल विकास ही आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव है उन्होंने कहा कि फैशन एवं डिजाइनर

परिधानों की बढ़ती मांग महिलाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर लेकर आई है यदि महिलाएं अपने कौशल का सही उपयोग करें तो वे न केवल स्वयं आर्थिक रूप से सशक्त बन सकती हैं बल्कि अन्य लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर सृजित कर सकती हैं उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं से आग्रह किया कि वे अर्जित ज्ञान और अनुभव का उपयोग कर स्वयं का व्यवसाय स्थापित करें तथा अपने परिवार और समाज के आर्थिक विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को केवल तकनीकी प्रशिक्षण ही नहीं बल्कि उद्यमिता विकास से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारीयां भी प्रदान की गई। प्रशिक्षण अवधि में प्रतिभागियों को व्यवसाय स्थापना, विपणन रणनीति, वित्तीय प्रबंधन, ग्राहक सेवा तथा बैंकिंग प्रक्रियाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई साथ ही

विभिन्न शासकीय योजनाओं के माध्यम से ऋण प्राप्त करने की प्रक्रिया समझाई गई तथा इच्छुक प्रशिक्षणार्थियों के स्वरोजगार के लिए बैंक ऋण आवेदन भी तैयार कराए गए इससे महिलाओं को प्रशिक्षण के बाद स्वयं का उद्यम शुरू करने में सहायता मिलेगी। समापन समारोह में रीवा से आए मुख्य असेसर पीयूष त्रिवेदी, सुषमा त्रिपाठी एवं भारती पाण्डेय (डीएसटी) ने प्रशिक्षणार्थियों के कौशल का मूल्यांकन किया। उन्होंने महिलाओं द्वारा तैयार किए गए परिधानों और डिजाइनिंग कार्यों की सराहना करते हुए गुणवत्ता, नवाचार और बाजार की मांग के अनुरूप कार्य करने की सलाह दी। कार्यक्रम में संकाय सदस्य रेनु सिंह, संतोष कुमार साहू, रानी साकेत सहित आरसेटी का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा सभी ने प्रशिक्षणार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

सोन नदी में डूबने से मृत चार व्यक्तियों के परिजनों को चार-चार लाख रुपये की सहायता

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सोन नदी के भवसेन घाट में डूबने से हुई चार व्यक्तियों की मृत्यु के प्रकरण में उपखंड अधिकारी रामपुर नैकिन विकास आनंद द्वारा राखस पुस्तक परिपत्र 6(4) के प्रावधानों के तहत उनके निकटतम परिजनों के लिए चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है इस प्रकार कुल 16 लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई है जारी आदेश के अनुसार ज्योति सेन उर्फ विद्याभारती सेन निवासी ग्राम बूढ़ाबाउर, जिला मेहर के निधन पर उनके पिता रामाधार सेन को चार लाख रुपये, नीलू बैस निवासी ग्राम बूढ़ाबाउर के निधन पर उनके पति मनीष सिंह बैस को चार लाख रुपये, सुधी सेन निवासी ग्राम बल्हौड़, जिला उमरिया के

निधन पर उनके पिता रामदयाल सेन को चार लाख रुपये तथा लखन केवट निवासी ग्राम घोन्टपुर, जिला राजगढ़ के निधन पर उनकी पत्नी निर्मला केवट को चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। यह सभी घटनाएं 15 जून 2026 को सोन नदी के भवसेन घाट में डूबने से हुई थीं। तहसीलदार रामपुर नैकिन के प्रतिवेदन, हल्का पटवारी के रिपोर्ट, स्थल पंचनामा एवं अन्य अधिलेखों के आधार पर प्रकरणों का परीक्षण कर यह रहत राशि स्वीकृत की गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आपदा की इस दुखद घटना में प्रभावित परिवारों को नियमानुसार शीघ्र आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई है जिससे उन्हें तत्काल राहत मिल सके।

दिव्यांग महिला ने विधायक का पैर पकड़कर लगाई गुहार, ट्राई साइकिल न मिलने पर प्रशासन पर उठे सवाल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले में शनिवार को आयोजित एक स्वास्थ्य शिविर के समापन के दौरान भावुक कर देने वाला मामला सामने आया, जहां एक आदिवासी दिव्यांग महिला ने ट्राई साइकिल की मांग को लेकर विधायक रीति पाठक का पैर पकड़ लिया। यह घटना सेमरिया स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में विश्व सिकल सेल दिवस के अवसर पर आयोजित शिविर के दौरान हुई, जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है जानकारी के अनुसार, महिला छोटी रावत ने बताया कि उसने ट्राई साइकिल के लिए कई

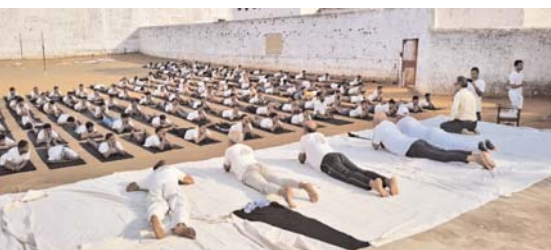


बार आवेदन दिए और गोपद बनास एसडीएम राकेश शुक्ला सहित संबंधित अधिकारियों से लगातार गुहार लगाई, लेकिन उसे केवल आश्वासन ही मिला और कोई ठोस सहायता नहीं मिली। लंबे समय से परेशान महिला ने अंततः कार्यक्रम के दौरान विधायक के समक्ष अपनी व्यथा व्यक्त की

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, महिला की स्थिति देखकर विधायक रीति पाठक भी आश्चर्यचकित रह गई। उन्होंने भावुक प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'मोर बप्पारे... अभी तक इन्का रिक्सा नहीं मिला!' इसके बाद उन्होंने मौके पर मौजूद एसडीएम की ओर देखा, लेकिन बताया जा रहा है कि

प्रशासनिक अधिकारी की ओर से कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं दी गई स्थिति को देखते हुए विधायक ने मौके पर मौजूद भाजपा कार्यकर्ता को निर्देश दिया कि महिला का नाम और पता दर्ज किया जाए ताकि उसकी समस्या का शीघ्र समाधान किया जा सके। इसी दौरान विधायक ने महिला से कहा, 'छोड़ो मेरा पैर, नहीं तो मैं गिर जाऊंगी,' जिसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने महिला को संभालते हुए उनका हाथ हटवाया इस कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू राम सिंह, गोपद बनास एसडीएम राकेश शुक्ला सहित कई अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

जिला जेल एवं जिला न्यायालय परिसर में योग सप्ताह का सफल समापन



मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के अवसर पर "स्वस्थ आयु के लिए योग" थीम के अंतर्गत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सीधी द्वारा आयोजित सप्ताहव्यापी योग कार्यक्रम का शनिवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ उच्च न्यायालय एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में 15 जून से 21 जून तक योग सप्ताह का आयोजन किया गया योग सप्ताह के दौरान जिला जेल सीधी एवं जिला न्यायालय परिसर में प्रतिदिन योग, प्राणायाम और ध्यान संबंधी गतिविधियां आयोजित की गई कार्यक्रम का उद्देश्य शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित करना था जिला जेल सीधी में आयोजित योग सत्रों में निरुद्ध बंदियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में बंदियों ने विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान की क्रियाओं का अभ्यास किया इस दौरान उन्हें तनाव प्रबंधन, मानसिक संतुलन तथा सकारात्मक जीवन दृष्टिकोण विकसित करने के संबंध में भी जानकारी दी गई अधिकारियों ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है जो व्यक्ति को स्वस्थ, संतुलित और तनावमुक्त जीवन जीने की प्रेरणा प्रदान करता है। जिला जेल में आयोजित कार्यक्रम में जेलर के.के. तिवारी,

जेल स्टाफ तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से योग प्रशिक्षक शैलेन्द्र सिंह, राममणि त्रिपाठी, लीगल एड डिफेंस कार्डेसल की टीम एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रतिभागियों को नियमित योगाभ्यास अपनाने के लिए प्रेरित किया गया इसी क्रम में जिला न्यायालय परिसर सीधी में भी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विशेष योग शिविर का आयोजन किया गया कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयाग लाल दिनकर, प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय दीपक शर्मा सहित सभी न्यायिक अधिकारियों, अधिकारताओं, न्यायालयीन कर्मचारियों एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारी-कर्मचारियों ने सामूहिक योगाभ्यास किया योग शिविर में अधिकता आशुतोष गुप्ता, प्रमोद कुमार मिश्रा, वी.के. शुक्ला एवं रामरंजन पाण्डेय ने योग गुरु के रूप में विभिन्न योगासनों, प्राणायाम और ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया साथ ही योग के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों की विस्तृत जानकारी भी दी गई कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने नियमित योगाभ्यास कर स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने आयोजन में सहयोग देने वाले सभी प्रतिभागियों, योग प्रशिक्षकों एवं अधिकारियों-कर्मचारियों का आभार व्यक्त करते हुए योग को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

वैदैन-1 जल योजना की सुस्ती पर कलेक्टर सख्त, एजेंसी को टर्मिनेशन की चेतावनी

कलेक्टर गौरव बैनल ने निरीक्षण में 82' प्रगति पर जताई नाराजगी, नोटिस जारी करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। ग्रामीण क्षेत्रों के हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने की महत्वाकांक्षी वैदैन-1 समूह जल प्रदाय योजना की धीमी प्रगति पर कलेक्टर गौरव बैनल ने सख्त रुख अपनाया है। रविवार को उन्होंने मध्यप्रदेश जल निगम के अंतर्गत कार्यरत निर्माण एजेंसी एम/एस डब्ल्यूपीआईएल द्वारा संचालित परियोजना का औचक निरीक्षण किया और कार्यों की जमीनी स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान परियोजना की धीमी गति और निर्धारित लक्ष्यों से पीछे रहने पर कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की उन्होंने इंटेक वेल एवं जल शोधन संयंत्र



(डब्ल्यूटीपी) सहित विभिन्न निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया अधिकारियों ने जानकारी दी कि योजना की कुल भौतिक प्रगति अब तक केवल 82 प्रतिशत तक ही पहुंच पाई है। कलेक्टर को

बताया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में जल आपूर्ति के लिए प्रस्तावित 114 उच्च स्तरीय जलाशयों (ओएचटी) में से 22 का निर्माण कार्य अभी शुरू भी नहीं हो सका है वहीं इंटेक वेल का कार्य

लगभग 70 प्रतिशत तक ही पूर्ण हुआ है इसके अलावा जल आपूर्ति परीक्षण की स्थिति भी अत्यंत धीमी पाई गई जहां अब तक केवल एक ही गांव में टैरिंटा शुरू की जा सकी है इस स्थिति पर कलेक्टर ने कड़ी नाजगी जताते हुए कहा कि पेयजल जैसी अत्यंत महत्वपूर्ण जनहित योजना में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं है उन्होंने स्पष्ट किया कि ग्रामीणों को समय पर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें देरी गंभीर प्रशासनिक लापरवाही मानी जाएगी कलेक्टर गौरव बैनल ने कहा निर्धारित माइलस्टोन के अनुरूप कार्यों की

प्रगति न होना अत्यंत गंभीर विषय है यदि निर्माण एजेंसी तत्काल गति नहीं बढ़ाती है तो उसके विरुद्ध अनुबंध समाप्ति (टर्मिनेशन) की कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मध्यप्रदेश जल निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माण एजेंसी के खिलाफ टर्मिनेशन नोटिस तत्काल जारी किया जाए साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि यह अंतिम अवसर है और इसके बाद किसी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि कार्य की गुणवत्ता के साथ कोई समझौता न हो और

तय समय-सीमा के भीतर परियोजना को पूर्ण किया जाए ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में नल से जल की सुविधा शीघ्र प्रारंभ हो सके। कलेक्टर ने कहा कि यह परियोजना हजारों ग्रामीण परिवारों के जीवन से जुड़ी हुई है और इसमें किसी भी प्रकार की देरी सीधे जनता को प्रभावित करती है उन्होंने सभी संबंधित विभागों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए समयबद्ध रूप से लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए निरीक्षण के दौरान अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी की कार्यप्रणाली पर असंतोष व्यक्त करते हुए कलेक्टर ने साफ किया कि अब केवल परिणाम आधारित कार्य ही स्वीकार्य होंगे।

एक थोपे युद्ध का अंत

दुनिया ने राहत की सांस महसूस की होगी ! आर्थिक मंदी, ऊर्जा-खाद्य संकट और तबाही की भयावहता अब नहीं डराएंगी। ईरान का 47 साल लंबा वैश्विक वनवास और पाबंदियां अब समाप्त होंगी। होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग से ईरान के 11 जहाज कच्चा तेल लेकर गुजरे। कतर की एलएनजी के टैंकर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात के जहाज भी गुजरने लगे हैं। युद्ध से पहले जो होर्मुज था, उसका वही स्वरूप और रास्ता खुलने लगा है। अमरीका ने भी होर्मुज-ओमान खाड़ी में अपनी सैन्य नाकेबंदी हटा ली

है। अमरीकी सेनाएं भी धीरे-धीरे लौट जाएंगी। यह अमरीका-ईरान के बीच समझौते के मसविदे पर हस्ताक्षर कर सहमति देने के बाद के माहौल, उल्लास, निष्कटक आवाजाही के दृश्य हैं। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पेरिस के ‘वर्साय पैलेस’ में, जी-7 सम्मेलन के दौरान ही, समझौते के दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए और फिर ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने दस्तखत किए। इसी के साथ 110 दिन से जारी ईरान युद्ध समाप्त हो गया। बमबारी, मिसाइल, ड्रोन की भयानक आवाजें, विस्फोट, आग की लपटें और धुआं,

अंततः विध्वंस का दौर थम गया। मानवता जिंदा रह सकेगी, फिलहाल यह तय किया गया है। अब आगे के 60 दिन वार्ताओं के दौर जारी रहेंगे। अंतिम

समाधान और सहमति में, जी-7 सम्मेलन के दौरान ही, समझौते का यह निश्चित है कि राष्ट्रपति

ट्रंप अब युद्ध का आदेश नहीं देंगे। इस युद्ध ने उनकी कई गलतफहमियां दूर की हैं, युद्ध के बारे में वह आत्ममंथन कर रहे होंगे, शायद क्यूबा की भी बख्शा देंगे और इस निष्कर्ष पर पहुंचेंगे कि

का नुकसान ही झेलना नहीं पड़ा, बल्कि करीब 36 लाख नौकरियां/रोजगार खत्म हो गए। करीब 40 लाख लोग गरीबी-रेखा के नीचे जाने को विवश हुए। अमरीका-इजरायल ने ईरान पर करीब 2500 हमले किए और उसे खंडहर बना दिया। अकेले ईरान को करीब 30 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ और अमरीका को भी करीब 10.64 लाख करोड़ रुपए फूँकने पड़े। उसकी 10 लाख करोड़ रुपए की मिसाइलें और ड्रोन ईरान ने तबाह कर दिए। अमरीका के 15 सैनिक भी मारे गए और खाड़ी देशों में उसके

सैन्य ठिकानों को भी नष्ट कर दिया गया है। ‘सुपर पाँवर’ की छवि, बेशक, खंडित हुई है। यह माना जा सकता है कि राष्ट्रपति ट्रंप को इस समझौते के लिए तैयार होना पड़ा, कदाचित्त झुकना पड़ा। उन्होंने जी-7 बैठक के दौरान यह स्वीकार कर सभी को चौंका दिया कि चार सप्ताह में रिजर्व खत्म हो जाते। दुनिया भर के रिजर्व भी खत्म हो जाते। तेल-गैस खत्म हो जाते, तो दुनिया में अराजकता फैल जाती। महत्वपूर्ण और घातक हथियारों के भंडार भी खत्म हो रहे थे।

होर्मुज खुलने से सस्ता होगा तेल, महंगाई घटेगी और भारतीय अर्थव्यवस्था को मिलेगा बड़ा सहारा

कांतिलाल मांडेठ

ईरान और अमेरिका के बीच 110 दिनों तक चले तनाव और संघर्ष के बाद हुए शांति समझौते ने पूरी दुनिया को राहत की सांस लेने का अवसर दिया है। इस समझौते का सबसे सकारात्मक प्रभाव भारत पर पड़ने की उम्मीद है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले कुछ महीनों में भारत में महंगाई की दर 0.5 से 0.8 प्रतिशत तक घट सकती है। इसके साथ ही पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में भी राहत मिलने की संभावना है। वैश्विक ऊर्जा बाजार में स्थिरता लौटने से भारतीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलने की उम्मीद है।

भारत अपनी जरूरत का 85 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है। ऐसे में पश्चिम एशिया में किसी भी प्रकार का तनाव सीधे भारतीय बाजार और आम लोगों की जेब पर असर डालता है। युद्ध के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य में बाधा आने से तेल की आपूर्ति प्रभावित हुई थी और कच्चे तेल की कीमतें रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गई थीं। अब ईरान द्वारा होर्मुज को बिना शर्त खोलने की घोषणा के बाद वैश्विक तेल आपूर्ति सामान्य होने लगी है, जिससे ऊर्जा कीमतों पर दबाव कम होगा।

युद्ध के दौरान भारतीय बास्केट के कच्चे तेल का भाव 69 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 157 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया था। हालांकि अब यह घटक लगभग 78 डॉलर प्रति बैरल के आसपास आ गया है, लेकिन फिर भी युद्ध पूर्व स्तर से करीब 14 प्रतिशत अधिक है। इसके बावजूद विशेषज्ञों का मानना है कि यदि शांति प्रक्रिया स्थायी रहती है तो आनेले कुछ महीनों में तेल की कीमतों में और कमी आ सकती है। इसका सीधा लाभ भारतीय उपभोक्ताओं को मिलेगा।

महंगाई नियंत्रण की दिशा में यह समझौता महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें कम होने से परिवहन लागत घटेगी। परिवहन सस्ता होने का असर खाद्यान्न, सब्जियों, फल, दूध, निर्माण सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर दिखाई देगा। इससे बाजार में वस्तुओं की कीमतों पर दबाव कम होगा और आम परिवारों के घरेलू बजट को राहत मिलेगी।

रसोई गैस की कीमतों पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। युद्ध के दौरान घरेलू गैस सिलेंडर के दाम 942 रुपये तक पहुंच गए थे। ऊर्जा आपूर्ति सामान्य होने के बाद इन कीमतों में कमी की संभावना बढ़ गई है। इससे विशेष रूप से मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग के परिवारों को राहत मिलेगी।

भारत के लिए इस समझौते का एक महत्वपूर्ण पहलू ऊर्जा सुरक्षा भी है। ईरान पर लगे आर्थिक और व्यापारिक प्रतिबंध हटने की स्थिति में भारत के लिए वहां से सीधे तेल और गैस खरीदने का मार्ग फिर से खुल सकता है। इससे भारत को तेल आयात के अधिक विकल्प मिलेंगे और वह बेहतर कीमतों पर ऊर्जा खरीद सकेगा। ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करेगा।

चाबहार बंदरगाह को लेकर भी भारत के लिए यह समझौता बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत ने इस रणनीतिक परियोजना में लगभग 1400 करोड़ रुपये का निवेश किया है। ईरान पर प्रतिबंधों के कारण इस परियोजना की संभावनाएं सीमित हो गई थीं, लेकिन अब परिस्थितियां बदलने से चाबहार बंदरगाह भारत के लिए मध्य एशिया और अफगानिस्तान तक व्यापारिक पहुंच का प्रमुख केंद्र बन सकता है। इससे भारत के निर्यात और क्षेत्रीय व्यापार को नई गति मिलेगी।

खाड़ी देशों में कार्यरत भारतीयों के लिए भी यह समझौता राहत लेकर आया है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, कुवैत, बहरीन और ओमान सहित खाड़ी क्षेत्र में लगभग 95 लाख भारतीय काम करते हैं। युद्ध और क्षेत्रीय अस्थिरता के कारण उनकी नौकरियों तथा आय पर संकट के बादल मंडरने लगे थे। शांति स्थापित होने से रोजगार की स्थिरता बनी रहेगी और भारत को मिलने वाली विदेशी मुद्रा भी सुरक्षित रहेगी।

युद्ध के दौरान वैश्विक अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान उठाना पड़ा। अनुमान है कि इस संघर्ष से दुनिया को लगभग तीन ट्रिलियन डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

काम क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार: मानव स्वभाव -आध्यात्मिक दृष्टिकोण से आपदा में अवसर का अर्थ इन नकारात्मक ऊर्जाओं को सकारात्मक दिशा में मोड़ना काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार भावनाओं को समाज कल्याण, लोक कल्याण, धार्मिक सहायता, सांस्कृतिक संरक्षण और जनहित के कार्यों में नियोजित किया जाए,तो यही पंचविकार मानव उत्थान और सामाजिक परिवर्तन के साधन बन सकते हैं -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोदिया महाराष्ट्र

वैश्विक स्तरपर मानव सभ्यता के विकास का इतिहास केवल भौतिक प्रगति का इतिहास नहीं है, बल्कि यह मानवीय भावनाओं,प्रवृत्तियों और मानसिक अवस्थाओं के निरंतर संघर्ष,संतुलन और परिष्कार का भी इतिहास है।भारतीय दर्शन में काम,क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार को सामान्यतःपंचविकार कहा गया है। धर्मग्रंथों,संत साहित्य और आध्यात्मिक परंपराओं में इनका उल्लेख ऐसे तत्वों के रूप में किया गया है जो मनुष्य को पतन की ओर ले जा सकते हैं।किंतु यदि इनका गहन अध्ययन किया जाए तो स्पष्ट होता है कि ये भाव स्वयं में न तो पूर्णतः अच्छे हैं और न ही पूर्णतःबुरे। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोदिया महाराष्ट्र यह मानता हूँ कि इन पांच विकारों का सदुपयोग करने और उन्हें अवसर में बदलने की अवधारणा को हम इस प्रकार समझ सकते हैं:

काम (इच्छा/उत्साह):इसे वासना के बजाय कुछ बड़ा हासिल करने या उत्कृष्ट लक्ष्य (जैसे रचनात्मक कार्य या समाज सेवा) के प्रति जुनून में बदलें।क्रोध (रोष):इसे दूसरों या स्वयं के विनाश के बजाय, अन्याय और अपनी कमियों के खिलाफ लड़ने की दृढ़ शक्ति में बदलें।लोभ (लालच) : भौतिक वस्तुओं के लालच को ज्ञान, अच्छे कर्म, और आध्यात्मिक उन्नति के प्रति लालसा में बदलें,मोह (लागव) : सांसारिक मोह को अपने काम, परिवार और मानवता के प्रति सच्ची प्रेम भावना में बदलें।अहंकार (घमंड): इसे मैं सबसे श्रेष्ठ हूँ के झूठे अहंकार से निकालकर मैं सब कुछ सीख सकता हूँ के आत्मविश्वास में बदलें।

साथियों वास्त्व में ये मानव व्यक्तित्व की स्वाभाविक शक्तियां हैं, जिनका परिणाम इस बात पर निर्भर करता है कि उनका उपयोग किस उद्देश्य और किस दिशा में किया जा रहा है। यदि इन्हें भावनाओं को समाज कल्याण,लोक कल्याण, धार्मिक सहायता,सांस्कृतिक संरक्षण और जनहित के कार्यों में नियोजित किया जाए,तो यही

पंचविकार मानव उत्थान और सामाजिक परिवर्तन के साधन बन सकते हैं।।भारतीय चिंतन सदैव यह कहता रहा है कि मनुष्य का मूल्यांकन केवल उसके भीतर उत्पन्न होने वाले भावों से नहीं,बल्कि उन भावों के उपयोग और परिणामों से किया जाना चाहिए। उदाहरण के लिए काम केवल भौतिक इच्छा नहीं है, बल्कि सृजन की प्रेरणा भी है। क्रोध केवल विनाश का माध्यम नहीं, बल्कि अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का साहस भी बन सकता है। लोभ यदि व्यक्तिगत स्वार्थ तक सीमित रहे तो हानिकारक है, किंतु यदि वह समाज के लिए अधिक से अधिक संसाधन जुटाने की आकांक्षा में परिवर्तित हो जाए तो विकास का माध्यम बन सकता है। मोह यदि केवल व्यक्तिगत स्वार्थ तक सीमित रहे तो हानिकारक है, किंतु यदि वह समाज के लिए अधिक से अधिक संसाधन जुटाने की आकांक्षा में परिवर्तित हो जाए तो विकास का माध्यम बन सकता है। मोह यदि केवल व्यक्तिगत स्वार्थ तक सीमित न रहकर संस्कृति, समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पण का रूप ले ले तो वह सामाजिक एकता का आधार बन जाता है। इसी प्रकार अहंकार यदि आत्ममुग्धता न बनकर आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता में परिवर्तित हो जाए तो समाज को दिशा देने का कार्य करता है। इसलिए ही व्यक्तिगत मार्ग पर चल पड़ा है, एक अधूरी और सतही समझ होगी।

साथियों बात अगर हम इन पांचों विकारों में से किसी एक की तुलना महाराष्ट्र शासन की एक कमेटी के निर्णय से करें तो 17 जून 2026 को महाराष्ट्र में मंत्री आशीष शेलार की अध्यक्षता वाली कैबिनेट उपसमिति द्वारा 44 मामलों को वापस लेने की सिफारिश इसी प्रक्रिया का हिस्सा है। इससे पहले 29 सितंबर 2025 को भी 77 मामलों को वापस लेने की सिफारिश की गई थी। इन आंकड़ों से स्पष्ट होता है कि सरकार केवल एक बार की कार्रवाई नहीं करती, बल्कि एक संस्थागत व्यवस्था विकसित करने का प्रयास कर रही है जिसके माध्यम से ऐसे मामलों की नियमित समीक्षा की जा सके। यह दृष्टिकोण प्रशासनिक संवेदनशीलता और लोकतांत्रिक परिपक्वता का परिचायक माना जा सकता है।इन मामलों की प्रकृति पर ध्यादेना भी आवश्यक है।समिति द्वारा जिन मामलों को वापस लेने की सिफारिश की जाती है,वे मुख्य रूप से गणेशोत्सव, नवरात्रोत्सव, दहीहंडी, श्रमिक आंदोलनों, सामाजिक कार्यक्रमों तथा विभिन्न वैचारिक या जनहित आंदोलनों से जुड़े होंगे हैं। ऐसे आयेजनों में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी होती है और कभी-कभी प्रशासनिक प्रक्रियाओं या स्थानीय परिस्थितियों के कारण मामले दर्ज हो जाते हैं।

साथियों,यदि इन मामलों में कोई गंभीर आपराधिक मंशा नहीं है और वे केवल साक्षी के कि अधिकारों सामाजिक आंदोलनों,स्वतंत्रता संघर्षों और जनजागरण अभियानों के पीछे मानवीय भावनाओं की प्रबल भूमिका रही है।अन्याय के विरुद्ध क्रोध,समाज के प्रति मोह, परिवर्तन की इच्छा और नेतृत्व का आत्मविश्वास ही बड़े-बड़े आंदोलनों को जन्म देता है।यदि महात्मा गांधी को अंग्रेजी शासन की आन्यायपूर्ण नीतियों पर नैतिक आक्रोश न होता,यदि नेल्सन मंडेला कोरंगभेद के विरुद्ध संघर्ष की तीव्र भावना न होती,यदि मार्टिन लूथर किंग जूनियर को सामाजिक समानता के लिए गहरा समर्पण न होता, तो इतिहास की दिशा संभवतः अलग होती। इसका अर्थ यह है कि मानवीय भावनाओं को केवल विकार कहकर नकार देना उचित नहीं है; उन्हें

आखें हुसैनी हो गई

सिंध, अफगानिस्तान के काबुल में भी रहते हैं। अजमेर और बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में रहने वाले कुछ भूमिहर ब्राह्मण भी खुद को हुसैनी ब्राह्मण मानते हैं। यहां बता दें कि अमृतसर में लोहगढ़ में इमामबाड़ा है। इसकी देख रेख अजुनम-ए-यादगार हुसैन द्वारा की जाती रही है। माना जाता है कि इमामबाड़ा सैयद नाथू शाह द्वारा बनाया गया है। भारत-पाकिस्तान बटवारे से पहले अमृतसर के शिया और हुसैनी ब्राह्मण परिवार इसकी संयुक्त रूप से देख रेख किया करते थे। बाद में अमृतसर से हुसैनी ब्राह्मण चले गए। लेकिन, अमृतसर के शिया हमेशा अपनी मजलिसों में राजा रहीब को याद करते रहे। इस समुदाय के लोग भी हजरत हुसैन की शहादत के गम में मातम और मजलिस करते हैं। हुसैनी ब्राह्मण समुदाय को लेकर एक प्रसिद्ध कहावत भी है वह दत्त सुल्तान, हिंदू का धर्म, मुसलमान के ईमान। कई प्रसिद्ध हस्तियां इसी समुदाय से संबंध रखती हैं जैसे दिवंगत मशहूर अभिनेता सुनील दत्त हुसैनी ब्राह्मण परिवार से ताल्लुक रखते थे। उनके अलावा अभिनेत्री योगिता वाली, उर्दू लेखक कश्मीरी लाल जाकिर, साबिर दत्त और नंद किशोर विक्रम हुसैनी ब्राह्मण समुदाय से जुड़े नाम हैं। शास्त्रीय संगीत गायिका सुनीता झिंगरण जो हिंदू देवताओं की पूजा करती हैं और इमाम हुसैन को भी मानती हैं। अपनी ठुमरी, ख्याल, दादरा और ग़ज़ल के लिए जानी जाने वाली प्रसिद्ध शास्त्रीय संगीत गायिका सुनीता झिंगरान हुसैनी ब्राह्मण के रूप में अपने पूर्वजों की

परंपराओं को निभा रही हैं। वो मजलिसों में शामिल होती हैं और मरसिये, नोहे पढ़ती हैं। पद्मश्री से सम्मानित ब्रज नाथ दत्त कासिर, जो अमृतसर के एक प्रतिष्ठित व्यापारी और प्रसिद्ध उर्दू-फारसी शायर थे, इसी समुदाय से आते हैं। हुसैनी ब्राह्मण हिंदू होते हुए भी इमाम हुसैन में आस्था रखते हैं। इनके घरा में पूजा स्थल पर हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियों के साथ-साथ अलम (जो कि हाथ के पंजे के जैसा होता है और इसे इमाम हुसैन या पंजतन का प्रतीक भी माना जाता है) भी रखा जाता है।

हुसैनी ब्राह्मणों के बारे में जो उल्लेख मिलता है वो दत्त परिवार से जुड़ा हुआ है। कहा जाता है कि जब राहिब सिद्ध दत्त के कोई संतान नहीं हुई तो उन्होंने पैगंबर इस्लाम से आल्लाह की ख्वाहिश की। नबी ए करीम ने अपने नवासे इमाम हुसैन से उनके लिए दुआ करने को कहा। इमाम हुसैन की दुआ के बाद राहिब जी के यहां 7 बेटे हुए और य सभी इस कर्बला की जंग में शहीद हुए। तभी से इन्हें हुसैनी ब्राह्मण के नाम से जाना जाने लगा। कर्बला की जंग में हुसैन इब्ने अली (इमाम हुसैन) का साथ देने गए हुसैनी ब्राह्मण भी शहीद हो गए थे। ये वही थे जो हुसैन की दुआ के बाद जन्मे थे। बताया जाता है कि कर्बला की जंग में इमाम हुसैन के साथ उनके परिवार के 72 सांख्यिक के अलावा दत्त परिवार के 7 बेटे भी शहीद हो गए थे। हुसैनी ब्राह्मण को ददरना भट्टाचार्य का वंशज भी माना जाता है। कर्बला में इमाम हुसैन की शहादत की खबर सुनकर हुसैनी ब्राह्मण हुसैन

सकारात्मक दिशा देना अधिक महत्वपूर्ण है।

साथियों, वास्त्व में समाज कल्याण और लोकहित के लिए कार्य करने वाले लोगो को केवल इसलिए अपराधी की तरह देखना उचित नहीं हो सकता क्योंकि किसी अपवाद निर्धारित किए गए हैं।महिलाओं के विरुद्ध अपराध, हत्या, गंभीर हिंसा, गंभीर मारपीट जैसे जघन्य अपराध तथा व्यक्तिगत या दोनानी विवादों से जुड़े मामलों को किसी प्रकार की राहत नहीं दी जाती। यह व्यवस्था यह सुनिश्चित करती है कि सामाजिक या राजनीतिक गतिविधियों की आड़ में गंभीर अपराधों को संरक्षण न मिले। इसी प्रकार जनप्रतिनिधियों से जुड़े मामलों का अंतिम निपटारा न्यायालयों के निर्देशों के अनुसार किया जाता है। इससे यह संदेश जाता है कि कानून के शासन और लोकतांत्रिक न्याय उत्तरदायित्व के सिद्धांतों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

साथियों, महाराष्ट्र सरकार द्वारा गठित मंत्रिमंडलीय उपसमिति इस दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखी जा सकती है। इस समिति का उद्देश्य उन मामलों की पहचान करना है जो मुख्यतः सामाजिक धार्मिक या राजनीतिक गतिविधियों के दौरान दर्ज हुए हैं और जिनमें गंभीर आपराधिक तत्व नहीं हैं। समिति के समक्ष आने वाले प्रत्येक आवेदन की गहन जांच की जाती है। इसके बाद जिन मामलों को वापस लेने योग्य माना जाता है, उन्हें पुलिस उपायुक्त की अध्यक्षता वाली क्षेत्रीय समितियों के पास भेजा जाता है, जहां आगे की प्रक्रिया पूरी की जाती है। यह व्यवस्था यह सुनिश्चित करने का प्रयास करती है कि केवल उचित मामलों को ही राहत मिले और न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता बनी रहे।

साथियों, विश्व इतिहास इस बात का साक्षी है कि अधिकांश सामाजिक आंदोलनों,स्वतंत्रता संघर्षों और जनजागरण अभियानों के पीछे मानवीय भावनाओं की प्रबल भूमिका रही है।अन्याय के विरुद्ध क्रोध,समाज के प्रति मोह, परिवर्तन की इच्छा और नेतृत्व का आत्मविश्वास ही बड़े-बड़े आंदोलनों को जन्म देता है।यदि महात्मा गांधी को अंग्रेजी शासन की आन्यायपूर्ण नीतियों पर नैतिक आक्रोश न होता,यदि नेल्सन मंडेला कोरंगभेद के विरुद्ध संघर्ष की तीव्र भावना न होती,यदि मार्टिन लूथर किंग जूनियर को सामाजिक समानता के लिए गहरा समर्पण न होता, तो इतिहास की दिशा संभवतः अलग होती। इसका अर्थ यह है कि मानवीय भावनाओं को केवल विकार कहकर नकार देना उचित नहीं है; उन्हें साक्षी के रूप में माना जा सकता है।

सैनिकों को भी नष्ट कर दिया गया है। ‘सुपर पाँवर’ की छवि, बेशक, खंडित हुई है। यह माना जा सकता है कि राष्ट्रपति ट्रंप को इस समझौते के लिए तैयार होना पड़ा, कदाचित्त झुकना पड़ा। उन्होंने जी-7 बैठक के दौरान यह स्वीकार कर सभी को चौंका दिया कि चार सप्ताह में रिजर्व खत्म हो जाते। दुनिया भर के रिजर्व भी खत्म हो जाते। तेल-गैस खत्म हो जाते, तो दुनिया में अराजकता फैल जाती। महत्वपूर्ण और घातक हथियारों के भंडार भी खत्म हो रहे थे।

और जनहित प्रदर्शनों तक,नागरिक सहभागिता लोकतंत्र की एक महत्वपूर्ण विशेषता है। किंतु अनेक बार इन गतिविधियों के दौरान परिस्थितियां ऐसी बन जाती हैं कि प्रतिभागियों के विरुद्ध आपराधिक मामले दर्ज हो जाते हैं। इनमें से कई मामले ऐसे होते हैं जिनमें हिंसा, गंभीर अपराध या व्यक्तिगत स्वार्थ का तत्व नहीं होता, बल्कि वे प्रशासनिक नियमों के उल्लंघन, प्रदर्शन या सामूहिक गतिविधियों के दौरान उत्पन्न परिस्थितियों से जुड़े होते हैं।यहां से न्याय और प्रशासन के बीच संतुलन का प्रश्न उत्पन्न होता है। क्या प्रत्येक ऐसा मामला, जो किसी सामाजिक या धार्मिक गतिविधि के दौरान दर्ज हुआ हो, जीवनपर्य्य व्यक्ति के साथ जुड़ा रहना चाहिए? क्या ऐसे मामलों के कारण सामाजिक कार्यकर्ताओं, धार्मिक कार्यकर्ताओं या जनहित के लिए कार्य करने वाले व्यक्तियों का भविष्य प्रभावित होना चाहिए? लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में इन प्रश्नों का उत्तर केवल कानूनी दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि सामाजिक और मानवीय दृष्टिकोण से भी खोजा जाना आवश्यक है। इसी सोच के आधार पर महाराष्ट्र सरकार ने विभिन्न धार्मिक, सामाजिक और राजनीतिक आंदोलनों के दौरान कार्यकर्ताओं पर दर्ज मामलों की समीक्षा और आवश्यक मामलों में उन्हें वापस लेने की प्रक्रिया सटीक रूप से प्रारंभ की है।

साथियों, अंतरराष्ट्रीय स्तरपर भी कई लोकतांत्रिक देशों में ऐसी व्यवस्थाएं देखने को मिलती हैं जहां शांतिपूर्ण आंदोलनों से जुड़े मामलों की समीक्षा की जाती है। अनेक देशों में यह माना जाता है कि लोकतंत्र में नागरिकों को अपनी बात रखने, विरोध दर्ज कराने और सामाजिक परिवर्तन के लिए संगठित होने का अधिकार है। यदि इस प्रक्रिया में ऐसे मामले दर्ज हो जाते हैं जिनमें कोई गंभीर आपराधिक तत्व नहीं है, तो समय-समय पर उनकी समीक्षा लोकतांत्रिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक मानी जाती है। महाराष्ट्र की पहल को इसी व्यापक वैश्विक संदर्भ में देखा जा सकता है। अतः अगर हम उपरिक्त पूरे विवरण का अध्ययन करें इसका विशेषण करें तो हम पाएंगे के यह कहा जा सकता है कि मनुष्य के भीतर मौजूद काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार जैसी शक्तियां स्वयं में शत्रु नहीं हैं। उनका स्वरूप इस बात से निर्धारित होता है कि वे किस दिशा में प्रयुक्त हो रही हैं। जब ये भाव समाज, संस्कृति, राष्ट्र और मानवता की सेवा में समर्पित हो जाते हैं, तब वे विकार नहीं बल्कि परिवर्तन और निर्माण की ऊर्जा बन जाते हैं।

मुस्ताअली बोहता

हुसैनी ब्राह्मण, मोहायल समुदाय के लोग हैं जो हिंदू और मुसलमान दोनों धर्मों से संबंध रखते हैं। बता दें, मोहायल ब्राह्मणों में बाली, भीमवाल, छिब्बर, दत्त, लाउ, मोहन और वैद जैसी कई उपजातियाँ शामिल हैं। इनकी दत्त शाखा ने करबला में जंग लड़ी थी। इन मोहियाल ब्राह्मणों ने कर्बला की लड़ाई में हजरत इमाम हुसैन की तरफ से जंग लड़ी थी इसलिए सम्मान के साथ इन्हें हुसैनी ब्राह्मण के नाम से जाना-पहचाना और पुकारा जाने लगा। ये भी माना जाता है कि हुसैनी ब्राह्मणों का संबंध महाभारत काल से है। महाभारत के भीषण युद्ध में गुरू द्रोणाचार्य ने भी भाग लिया था, जो दत्त गोत्र के ब्राह्मण थे। उनके पुत्र अश्वत्थामा युद्ध में घायल हो गए थे। महाभारत युद्ध में पांडवों के विजयी होने के बाद अश्वत्थामा इराक चले गए और इराक में ही बस गए। उनके वंशज दत्त ब्राह्मण कहलाए। आगे चलकर दत्त ब्राह्मण ही मोहियाल ब्राह्मण कहलाए। इन्होंने अरब देशों में कई राज्यों को जीता और उन पर राज किया। इन्होंने से एक थे राजा राहिव सिद्ध दत्त। इनका कार्यकाल पैगंबर मोहम्मद के नवासे इमाम हुसैन के समय का है। कहा जाता है कि इमाम हुसैन की दुआ से ही उन्हें संतान का सुख प्राप्त हुआ था। हुसैनी ब्राह्मण समाज के लोग राजस्थान, दिल्ली, चंडीगढ़, अमृतसर, पुणे सहित अन्य हिस्सों के अलावा पाकिस्तान के लालौर,

शायर राजेन्द्र कुमार ने क्या खूब लिखा है... इस क़दर रोया मै सुन के दास्तान-ए-करबला, मै तो हिन्दू ही रहा, आंखें हुसैनी हो गईं !... ये हज़रत इमाम हुसैन ही हैं जिन्हें जितनी अक़ीदत के साथ मुसलमान मानते हैं उनका उतना ही एहतराम ग़ैरमुस्लिम भी करते हैं। मोहर्म्म पर जब भी इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों की शहादत का ज़िक्र होता है तो उन हुसैनी ब्राह्मणों की भी याद ताज़ा हो जाती है जिन्होंने अपना सब कुछ हुसैन पर न्यौछावर कर दिया। सामाजिक सदभाव, आपसी भाईचारे और गंगा-जमुनी तहज़ीब की भिसाल पूरी दुनिया में भारत में ही देखने को मिलती है। ऐसी ही एक भिसाल है हुसैनी ब्राह्मण। ये वो हिंदू समुदाय है, जो सनातन धर्म के सभी तीज त्यौहार मनाता है तो शिया मुसलमानों के साथ इमाम हुसैन के ग़म भी मनाता है।

विश्व योग दिवस पर बिहान समूहों की दीदियों ने दिया स्वास्थ्य, पोषण और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

जिलेभर के 200 ग्राम संगठनों और अमृत सरोवरों में हुआ सामूहिक योगाभ्यास, वृक्षारोपण व जनजागरूकता कार्यक्रम



मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। विश्व योग दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) से जुड़ी स्व-सहायता समूहों की महिलाओं ने जिलेभर में स्वास्थ्य, पोषण, पर्यावरण संरक्षण और महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अंकिता सोम के आह्वान पर लगभग 200 ग्राम संगठनों, ग्राम पंचायतों,

अमृत सरोवर स्थलों एवं सामुदायिक परिसरों में सामूहिक योगाभ्यास, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण और जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। ग्राम पंचायत बरबसपुर, बड़कबहरा, हंसपुर, कछोड़ सहित कई ग्रामीण क्षेत्रों में बिहान समूहों की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास किया महिलाओं ने विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास करते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने

का संकल्प लिया तथा ग्रामीणों को भी योग को दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया अमृत सरोवरों पर भी विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए मनेंद्रगढ़ विकासखंड के शंकरगढ़ स्थित अमृत सरोवर में योगाभ्यास, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण एवं सरोवर संवाद कार्यक्रम में 35 लोगों ने भाग लिया वहीं ग्राम पंचायत सिरौली के नीम तालाब स्थित अमृत सरोवर में आयोजित कार्यक्रम



में 47 ग्रामीणों ने सहभागिता कर जल एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रमों के दौरान महिलाओं ने योग की स्वस्थ समाज की आधारशिला बताते हुए नियमित योगाभ्यास के लाभों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि योग से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है बल्कि मानसिक संतुलन और सकारात्मक ऊर्जा भी प्राप्त होती है। समूह की महिलाओं ने ग्रामीण समुदाय को पोषण और

महिलाओं ने बताया कि इन उत्पादों से पोषण जागरूकता बढ़ने के साथ समूहों की आय में भी वृद्धि हो रही है जिससे वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं। इस अवसर पर किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, कृषक उन्नति योजना, किसान समृद्धि योजना सहित विभिन्न कृषि एवं ग्रामीण विकास योजनाओं की जानकारी भी दी गई अधिकारियों ने किसानों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया जिला प्रशासन ने बिहान समूहों की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि स्व-सहायता समूहों की महिलाएं आज स्वास्थ्य, पोषण, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता जैसे विषयों पर ग्रामीण समाज का नेतृत्व कर रही हैं। विश्व योग दिवस पर चलाया गया यह अभियान महिला सशक्तिकरण और सामुदायिक नेतृत्व का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर उभरा है।

अनंतपुर में आंबेडकर प्रतिमा विवाद गहराया, दोनों पक्ष आमने-सामन



मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। कोलारस थाना क्षेत्र के अनंतपुर गांव में शासकीय भूमि पर डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थापित किए जाने को लेकर विवाद शनिवार को और गहरा गया प्रशासन द्वारा प्रतिमा को हटाकर शासकीय अभिरक्षा में लेने के बाद दोनों पक्षों की ओर से विरोध और मांगों का दौर जारी रहा जानकारी के अनुसार शुक्रवार को प्रशासन ने बिना अनुमति शासकीय भूमि पर स्थापित की गई आंबेडकर प्रतिमा को हटाकर अपने कब्जे में ले लिया था। इस मामले में दिलीप और धर्मेन्द्र नामक दो युवकों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेजा गया था प्रशासन की इस कार्रवाई के विरोध में शनिवार को बहुजन समाज के लोग बड़ी संख्या में कोलारस थाने पहुंचे और दोनों युवकों की रिहाई तथा प्रतिमा को पुनः स्थापित करने की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए दोपहर लगभग 2 बजे शुरू हुआ धरना शाम साढ़े 5 बजे तक जारी रहा बाद में

प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा समझाइश दिए जाने और एसडीएम अनूप श्रीवास्तव द्वारा दोनों युवकों को जमानत पर रिहा किए जाने के बाद धरना समाप्त हुआ। वहीं दूसरी ओर अनंतपुर एवं आसपास के गांवों के 200 से अधिक ग्रामीणों ने कोलारस एसडीएम कार्यालय पहुंचकर जापन सौंपा ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने बिना प्रशासनिक अनुमति के शासकीय भूमि पर प्रतिमा स्थापित कर गांव का माहौल खराब करने का प्रयास किया है उन्होंने ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि इससे पहले भी 19 मई को इसी प्रकार की घटना सामने आई थी जिस पर प्रशासन ने कार्रवाई की थी उन्होंने बाहरी लोगों पर गांव में आकर सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने और जातीय तनाव फैलाने का आरोप भी लगाया मामले पर एसडीएम अनूप श्रीवास्तव ने कहा कि जिस भूमि पर प्रतिमा स्थापित की गई थी वह शासकीय भूमि है।

पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति 2026-27 के लिए ऑनलाइन पंजीयन शुरू

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों, इंजीनियरिंग, मेडिकल, आईटीआई, नर्सिंग, डाइट एवं पॉलिटेक्निक संस्थानों में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति (एसटी), अनुसूचित जाति (एससी) एवं अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के विद्यार्थियों के लिए वर्ष 2026-27 की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत ऑनलाइन पंजीयन, स्वीकृति एवं वितरण की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। कार्यक्रम कलेक्टर (आदिवासी विकास), जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर द्वारा जारी जानकारी के अनुसार विभागीय छात्रवृत्ति

पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किए जाएंगे विद्यार्थियों को समय पर छात्रवृत्ति का लाभ दिलाने के लिए आवेदन, परीक्षण, स्वीकृति और भुगतान की विस्तृत समय-सीमा भी निर्धारित की गई है विभाग के अनुसार नवीनीकरण श्रेणी के विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 20 जून 2026 से प्रारंभ हो चुकी है जबकि नवीन आवेदनों के लिए पोर्टल 1 अगस्त 2026 से खुलेगा निर्धारित तिथियों तक प्राप्त आवेदनों के आधार पर छात्रवृत्ति राशि चरणबद्ध तरीके से सितम्बर 2026 से जनवरी 2027 तक सीधे विद्यार्थियों के खातों में वितरित की जाएगी छात्रवृत्ति प्रक्रिया को समयबद्ध बनाने के

लिए शासकीय एवं अशासकीय संस्थानों को भी आवेदन परीक्षण एवं स्वीकृति की जिम्मेदारी तय समय-सीमा में पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं विभाग ने स्पष्ट किया है कि पात्र विद्यार्थियों को जनवरी 2027 तक छात्रवृत्ति राशि का संपूर्ण भुगतान सुनिश्चित किया जाएगा। योजना के तहत अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों के अधिभावकों की वार्षिक आय सीमा 2.50 लाख रुपये तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए 1 लाख रुपये निर्धारित की गई है आवेदन के लिए आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, पिछली परीक्षा का अंकपत्र, अध्ययनरत पाठ्यक्रम की जानकारी तथा संस्था द्वारा जारी

बोनाफाइड प्रमाण पत्र आवश्यक होंगे विभाग ने बताया कि छात्रवृत्ति की राशि पीएफएमएस (पब्लिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम) के माध्यम से सीधे आधार सीडेट बैंक खातों में अंतरित की जाएगी इसके लिए विद्यार्थियों को आवेदन के समय बैंक खाते की सही जानकारी दर्ज करना अनिवार्य होगा वर्ष 2026-27 से सभी पात्र विद्यार्थियों के लिए राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (एनएसपी) के माध्यम से ओटीआर (वन टाइम रजिस्ट्रेशन) प्राप्त करना भी अनिवार्य किया गया है। वहीं नवीन संस्थाओं के संस्था प्रमुख और छात्रवृत्ति प्रभारियों के लिए बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन की व्यवस्था भी लागू की गई है।

मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के तहत जनकपुर आईटीआई में निःशुल्क डीटीपी प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। युवाओं को रोजगारोन्मुखी कौशल प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के तहत शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) जनकपुर में डेस्कटॉप पब्लिशिंग (डीटीपी) का निःशुल्क प्रशिक्षण प्रारंभ किया जा रहा है यह प्रशिक्षण 22 जून 2026 से शुरू होगा और इसकी अवधि लगभग चार माह निर्धारित की गई है योजना का उद्देश्य युवाओं को आधुनिक तकनीकी कौशल से जोड़कर रोजगार एवं स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है।

संस्था द्वारा संचालित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों को कंप्यूटर आधारित डिजाइनिंग और प्रिंटिंग

कार्यों का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान फोटो एडिटिंग, शोर्टी एवं निर्माण पत्र डिजाइन, पोस्टर निर्माण, बैनर डिजाइनिंग, फ्लेक्स एवं प्रिंट मीडिया से जुड़े कार्यों सहित अन्य कंप्यूटर आधारित प्रकाशन तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। वर्तमान समय में डिजिटल डिजाइनिंग और प्रिंटिंग क्षेत्र में बढ़ती मांग को देखते हुए यह प्रशिक्षण युवाओं के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होगा। विशेषज्ञ प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में संचालित होने वाले इस कोर्स में विद्यार्थियों को सैद्धांतिक जानकारी के साथ-साथ प्रायोगिक प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, ताकि वे प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद निजी संस्थानों, प्रिंटिंग प्रेस, डिजाइनिंग स्टूडियो तथा अन्य व्यावसायिक क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त कर सकें।

साथ ही इच्छुक युवा स्वयं का डिजाइनिंग एवं प्रिंटिंग व्यवसाय शुरू कर स्वरोजगार की दिशा में भी आगे बढ़ सकते हैं। मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत यह प्रशिक्षण पूरी तरह निःशुल्क रहेगा। छत्तीसगढ़ राज्य के इच्छुक युवक एवं युवतियां इसमें आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए अभ्यर्थियों को आईटीआई जनकपुर में स्वयं उपस्थित होकर आवेदन जमा करना होगा। आवेदन पत्र के साथ 8वीं, 10वीं एवं 12वीं की अंकसूची, निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, राशन कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो तथा जाति प्रमाण पत्र को प्रतियां जमा करनी होंगी। संस्था प्रबंधन ने बताया कि 22 जून 2026 से आवेदन स्वीकार किए जाएंगे इच्छुक अभ्यर्थियों से समय रहते आवेदन करने की अपील की गई है।

सेठानी घाट पर 400 लोगों ने किया सामूहिक योगाभ्यास



मीडिया ऑडीटर,नर्मदापुरम (निप्र)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को नर्मदापुरम के ऐतिहासिक सेठानी घाट पर जिला स्तरीय सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों सहित लगभग 400 लोगों ने भाग लेकर योग के माध्यम से स्वस्थ जीवन का संदेश दिया सेठानी घाट पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम में लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक साई कृष्णा एस. थोटा, नगर पालिका अध्यक्ष नीतू यादव एवं एडीएम अनिल जैन सहित अनेक अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे सभी ने प्रशिक्षकों के निर्देशन में विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास किया इस अवसर पर कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं बल्कि मानसिक शांति और स्वस्थ जीवन का आधार है उन्होंने नागरिकों से नियमित योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने की अपील की कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को योग के प्रति जागरूक करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। वहीं हर वर्ष प्रदेश की सबसे ऊंची चोटी धूपगढ़ पर

आयोजित होने वाला योग दिवस कार्यक्रम इस बार मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण पचमढ़ी के सूर्य नमस्कार गार्डन में आयोजित किया गया प्रशासन ने बारिश की संभावना को देखते हुए आयोजन स्थल में बदलाव किया पचमढ़ी में आयोजित कार्यक्रम में एसडीएम आकिव खान, साडा सीईओ, कैट सीईओ, तहसीलदार वैभव बैरागी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, पर्यटक, शिक्षक और छात्र-छात्राएं शामिल हुए। इधर, वर्धमान पब्लिक स्कूल में भारत स्वाभिमान ट्रस्ट एवं पतंजलि योग समिति के सहयोग से विशेष योग प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया मुख्य अतिथि एवं योग प्रशिक्षक एमएल गौर, केके सोनी और रमेश कुमार जगदेव ने विद्यार्थियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम और ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया प्रशिक्षकों ने योग के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभों पर प्रकाश डालते हुए नियमित योगाभ्यास के महत्व को बताया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिलेभर में आयोजित कार्यक्रमों ने यह संदेश दिया कि योग स्वस्थ शरीर, शांत मन और सकारात्मक जीवन का आधार है बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता ने योग के प्रति बढ़ती जागरूकता और उत्साह को भी दर्शाया।

नीट (यूजी) 2026 जिले में शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित वातावरण में संपन्न

तीन परीक्षा केंद्रों में 724 अभ्यर्थी हुए शामिल, 89 प्रतिशत रही उपस्थिति; प्रशासन की मुस्तैदी से सफलतापूर्वक संपन्न हुई परीक्षा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) 2026 रविवार को जिले में शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। चिकित्सा शिक्षा में प्रवेश के लिए आयोजित इस महत्वपूर्ण परीक्षा के लिए जिले में तीन परीक्षा केंद्र बनाए गए थे, जहां जिला प्रशासन द्वारा सुरक्षा, निगरानी, यातायात प्रबंधन तथा परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए व्यापक इंतजाम किए गए थे प्रशासनिक सतर्कता और विभिन्न विभागों के बेहतर समन्वय के चलते परीक्षा बिना किसी व्यवधान के संपन्न हुई

जिले में परीक्षा के लिए कुल 811 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 724 परीक्षार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया जबकि 87 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे इस प्रकार जिले में कुल उपस्थिति लगभग 89 प्रतिशत दर्ज की गई परीक्षा में अभ्यर्थियों की बड़ी भागीदारी ने उनके उत्साह और चिकित्सा शिक्षा के प्रति गंभीरता को दर्शाया। परीक्षा केंद्रवार आंकड़ों के अनुसार केंद्र क्रमांक 1719101 स्थित केंद्रीय विद्यालय, झारखंड में पंजीकृत 355 अभ्यर्थियों में से 320 उपस्थित रहे तथा 35 अनुपस्थित रहे केंद्र क्रमांक 1719102 स्थित केंद्रीय विद्यालय, मनेन्द्रगढ़ में 312

पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 283 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए जबकि 29 अनुपस्थित रहे वहीं केंद्र क्रमांक 1719103 स्थित विवेकानंद पीजी कॉलेज, मनेन्द्रगढ़ में पंजीकृत 144 अभ्यर्थियों में से 121 अभ्यर्थी उपस्थित हुए और 23 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे परीक्षा के दौरान राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन कराया गया परीक्षा केंद्रों में प्रवेश से पहले अभ्यर्थियों की पहचान सत्यापन, सुरक्षा जांच और दस्तावेजों का परीक्षण निर्धारित मानकों के अनुसार किया गया किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोकने के लिए

सभी केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी तंत्र को प्रभावी ढंग से लागू किया गया था जिला प्रशासन ने परीक्षा के सफल संचालन के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों की विशेष ड्यूटी लगाई थी। परीक्षा केंद्रों का लगातार निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की निगरानी की गई परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए पेयजल, छायादार प्रतीक्षा स्थल और आवश्यक मार्गदर्शन की व्यवस्था उपलब्ध कराई गई थी वहीं परीक्षा केंद्रों के बाहर अधिभावकों एवं परिजनों के लिए भी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की गई जिससे पूरे समय व्यवस्था सुचारु बनी रही।

प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों से योग बना वैश्विक जनआंदोलन : देवेन्द्र प्रताप सिंह

12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर 550 से अधिक लोगों ने किया सामूहिक योगाभ्यास, नशा मुक्ति और पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को स्वामी आत्मानंद विद्यालय क्रीड़ा परिसर में आयोजित जिला स्तरीय समारोह में योग, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और जनजागरण का अतृप्त संकेत देखने को मिला। कार्यक्रम में 550 से अधिक लोगों ने सामूहिक योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन और सशक्त राष्ट्र निर्माण का संदेश दिया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद देवेन्द्र प्रताप सिंह ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि योग आज वैश्विक जनआंदोलन का स्वरूप ले चुका है और इसका सबसे बड़ा श्रेय



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाता है उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा संयुक्त राष्ट्र महासभा में रखे गए प्रस्ताव का रिकॉर्ड 177 देशों ने समर्थन किया था जिसके परिणामस्वरूप आज विश्व के 150 से अधिक देशों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा

रहा है यह भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा और योग की वैश्विक स्वीकार्यता का प्रतीक है उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा को संतुलित करने वाली जीवनशैली है विद्यार्थियों के लिए यह स्मरण

शक्ति बढ़ाने में सहायक है वहीं आमजन के लिए तनावमुक्त और स्वस्थ जीवन का आधार बनता है उन्होंने नागरिकों से प्रतिदिन योग करने और अपने परिवार को भी इससे जोड़ने की अपील की समारोह में मास्टर ट्रेनर विश्वजीत पटेल एवं प्रशिक्षक विवेक तिवारी के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने ताड़ासन, त्रिकोणासन, भुजंगासन, वज्रासन, उष्ट्रासन, मत्स्यासन, कटिकक्रासन, अर्धकटिकक्रासन और उतानपादासन सहित विभिन्न योगासनों का अभ्यास किया साथ ही कपालभाति एवं ध्रामरी प्राणायाम का भी सामूहिक अभ्यास कराया गया। पूरे परिसर में अनुशासन, उत्साह और

सकारात्मक ऊर्जा का वातावरण दिखाई दिया। योगाभ्यास के उपरंत राज्यसभा सांसद सिंह ने उपस्थित लोगों को नशा मुक्त भारत की शपथ दिलाई उन्होंने कहा कि नशा युवाओं और समाज के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती है तथा योग इसके प्रभावी समाधान का माध्यम बन सकता है इस दौरान लोगों ने नशामुक्त जीवन अपनाने और समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण भी किया गया राज्यसभा सांसद ने आंवला का पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण एवं मातृ सम्मान का संदेश दिया

इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने भी पौधारोपण कर अभियान को आगे बढ़ाया। योग दिवस के अवसर पर आयुष विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा लगाए गए स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहे स्वास्थ्य विभाग ने रक्तचाप एवं शुगर जांच के साथ निःशुल्क परामर्श और दवा वितरण किया, जबकि आयुष विभाग ने योग एवं आयुर्वेद आधारित जीवनशैली की जानकारी प्रदान की वहीं एनआरएलएम की लखपति दीर्घायों द्वारा निर्मित हस्तदेव ब्रांड के उत्पादों की प्रदर्शनी ने भी लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

गर्लफ्रेंड से शादी से पहले बाँयफ्रेंड, मां-मामा की मौत युवती को भगाकर ले जा रहे थे

मीडिया ऑडीटर,दमोह (निप्र)। दमोह-जबलपुर हाईवे पर शुक्रवार शाम बस और कार की टक्कर हो गई। हादसे में बाँयफ्रेंड, उसकी मां और मामा की मौत हो गई, जबकि गर्लफ्रेंड और ड्राइवर घायल हैं। युवक का परिवार युवती को कटनी से भगाकर सागर ले जा था, लेकिन रास्ते में हादसे का शिकार हो गए। हादसा जबेरा के पुरेनहाऊ गांव के पास हुआ। पुलिस के मुताबिक, मृतकों की पहचान अखिलेश प्रजापति, उसकी मां सोना प्रजापति और मामा नत्थू प्रजापति के रूप में की गई है, जबकि रीना साहू और कार ड्राइवर राशिद खान गंभीर रूप से घायल हो गए। युवक का परिवार सागर जिले के शाहगढ़ क्षेत्र का रहने वाला था।

सोशल मीडिया से हुई थी दोस्ती: पुलिस जांच में सामने आया कि कटनी निवासी 20 वर्षीय रीना साहू और सागर जिले के शाहगढ़ निवासी अखिलेश प्रजापति के बीच सोशल मीडिया के जरिए परिचय हुआ था। धीरे-धीरे दोनों के बीच बातचीत बढ़ी। यह रिश्ता प्रेम प्रसंग में बदल गया। दोनों ने साथ जीवन बिताने का फैसला किया।

लड़की को लेने कटनी पहुंचा था युवक: पुलिस के अनुसार अखिलेश प्रजापति अपनी मां सोना प्रजापति और मामा नत्थू प्रजापति के साथ किराए की कार से कटनी पहुंचा था। योजना थी कि रीना को साथ लेकर वापस लौटेंगे और शादी करेंगे। रीना उनके साथ कार में बैठ गई। कार में शादी की एक चुनरी भी रखी हुई थी। दोनों शादी के इरादे से निकले थे। जल्दबाजी और घबराहट हादसे की वजह बनी लड़की को साथ लेकर लौटते समय कार काफी तेज रफ्तार से चल रही थी। पुलिस का मानना है कि पकड़े जाने का डर या जल्दी पहुंचने की हड़बड़ी के कारण ड्राइवर ने रफ्तार कम नहीं की। दमोह-जबलपुर हाईवे पर जबेरा थाना क्षेत्र के पुरेनहाऊ गांव के पास सामने से आ रही एक बस से कार की सीधी भिड़त हो गई।

कुछ ही सेकेंड में उजड़ गई तीन जिंदगियां: टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। कार में बैठे अखिलेश प्रजापति, उसकी मां सोना प्रजापति और मामा नत्थू प्रजापति की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में रीना साहू और कार चालक राशिद खान गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए जबलपुर रेफर किया गया।

घायल युवती नहीं बता पा रही थी मृतकों के नाम: हादसे के बाद पुलिस ने घायल रीना साहू से मृतकों की पहचान और उनके बारे में जानकारी लेने की कोशिश की, लेकिन गंभीर रूप से घायल होने के कारण वह ठीक से कुछ बता नहीं पा रही थी। शुरुआत में लोगों को लगा कि हादसे में जान गंवाने वाले लोग युवती के परिवार के सदस्य हैं। लेकिन जब पुलिस ने मृतकों की पहचान की तो पता चला कि वे प्रजापति समाज से हैं, जबकि युवती साहू समाज से है। यहीं से पुलिस को लगा कि मामला सामान्य सड़क हादसे से कहीं अधिक है। देर रात खुला पूरी कहानी का राज पुलिस ने जांच का दाया बढाया और लड़की के परिजनों से संपर्क किया। देर रात जब रीना के परिजन जबेरा पहुंचे तो पूरे घटनाक्रम का खुलासा हुआ। परिजन और पुलिस जांच से पता चला कि रीना अपनी मर्जी से घर से निकली थी और अखिलेश के साथ शादी करने जा रही थी।

सांची स्तूप परिसर में हजारों लोगों ने किया सामूहिक योगाभ्यास बुद्ध की तपोभूमि से गुंजा स्वस्थ जीवन का संदेश

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन के सांची स्थित विश्व पर्यटन स्थल सांची स्तूप परिसर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर आयोजित जिला स्तरीय सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में भगवान बुद्ध की तपोभूमि से स्वस्थ जीवन का संदेश गुंजा। ऐतिहासिक सांची स्तूप के शांत वातावरण में हजारों लोगों ने एक साथ योगाभ्यास कर योग को जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य राज्यमंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सुबह आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मोणा, भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा, कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा, पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, जिला पंचायत सीईओ कमल सोलंकी, जिला शिक्षा अधिकारी डी.डी. रजक, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, जनप्रतिनिधि, शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के छात्र-छात्राएं तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। प्रशिक्षकों के निर्देशन में सभी प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन और प्राणायाम किए। सांची स्तूप की ऐतिहासिक वादियों में सामूहिक योगाभ्यास का अद्भुत दृश्य देखने को मिला।

योग प्राचीन भारतीय पद्धति: योगाभ्यास के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए स्वास्थ्य राज्यमंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी दैनिक दिनचर्या में योग को शामिल करना चाहिए। नियमित योग करने से शरीर स्वस्थ रहता है, अनेक बीमारियों से बचाव होता है और इलाज तथा दवाइयों पर होने वाला खर्च भी कम होता है। उन्होंने कहा कि यदि लोग योग को अपनी जीवनशैली का हिस्सा बना लें तो वे लंबे समय तक स्वस्थ और सक्रिय रह सकते हैं। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ, संतुलित और सकारात्मक जीवन जीने की एक प्राचीन भारतीय पद्धति है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को केवल एक दिन का आयोजन न मानते हुए पूरे वर्ष नियमित रूप से योग करना चाहिए, ताकि समाज स्वस्थ और निरोगी बन सके। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने भी योग को भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर बताते हुए कहा कि योग शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के साथ-साथ सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का प्रभावी माध्यम है। सांची स्तूप परिसर में बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता ने योग के प्रति बढ़ती जागरूकता और उत्साह को भी प्रदर्शित किया।

प्रेम-प्रसंग में बैंक के बाहर युवक की चाकू मारकर हत्या: पत्नी समेत तीन गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सीहोर में शनिवार को प्रेम प्रसंग से जुड़ा एक सनसनीखेज हत्याकांड सामने आया। बैंक के बाहर 28 वर्षीय बबलू मालवीय की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद कोतवाली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बबलू की पत्नी सहित तीन आरोपियों को कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया। वहीं आरोपियों को थाने लाए जाने पर मृतक के परिजनों और ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा और उन्होंने थाना परिसर में ही आरोपियों के साथ माफीपट करने की कोशिश की। पुलिस के अनुसार, बबलू मालवीय निवासी थूना कला की पत्नी विद्या मालवीय करीब पांच-छह दिन पहले बारवाखेड़ी निवासी प्रताप के साथ चली गई थी। बबलू अपनी कमाई के पैसे पत्नी के बैंक खाते में जमा करता था। शनिवार को उसे जानकारी मिली कि विद्या बैंक में उसके खाते से पैसे निकालने पहुंची है। इसके बाद वह अपने मामा गुलाब मालवीय के साथ बैंक पहुंचा।

10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक एनसीसी प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ, 650 कैडेट्स ले रहे सैन्य एवं नेतृत्व प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। 14 एमपी एनसीसी बटालियन विदिशा द्वारा एसएटीआई (SATI) एवं एटीआई डिग्री कॉलेज परिसर में 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 19 जून से 28 जून 2026 तक किया जा रहा है। शिविर का संचालन कैप्टन कमल अधिकारी कर्नल अंशुभान सिंह के नेतृत्व एवं प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल सैनी वैद्य की देखरेख में किया जा रहा है। शिविर का शुभारंभ कर्नल अंशुभान सिंह के प्रेरणादायी उद्घाटन संबोधन के साथ हुआ। उन्होंने उपस्थित एनसीसी कैडेट्स को संबोधित करते हुए एनसीसी के मूल मंत्र ‘एकता और अनुशासन’ के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कैडेट्स को जीवन में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र सेवा की भावना के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। साथ ही प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं उनके विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति जागरूक रहने का संदेश भी दिया। इस संयुक्त

वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में विदिशा एवं रायसेन जिले सहित भोपाल गुप के लगभग 650 एनसीसी कैडेट्स भाग ले रहे हैं। शिविर के दौरान कैडेट्स को सैनिक कैंप (TSC) के लिए चर्यनित हथियार प्रशिक्षण, फायरिंग, आपदा

प्रबंधन तथा व्यक्तित्व विकास जैसे विभिन्न विषयों का व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। विशेष रूप से शिविर में थल सैनिक कैंप (TSC) के लिए चर्यनित भोपाल गुप के लगभग 150 कैडेट्स

भी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। यह प्रशिक्षण उन्हें आगामी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं एवं दिल्ली में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित शिविरों तक पहुंचने का अवसर प्रदान करेगा। पर्यावरण संरक्षण को भी शिविर की

प्रमुख गतिविधियों में शामिल किया गया है। कैडेट्स को पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्हें अनिवार्यक वस्तुओं की खरीद से बचने, संसाधनों की खपत कम करने तथा प्लास्टिक कचरे को एकत्रित कर उसके वैज्ञानिक एवं उचित निष्पादन की जानकारी दी जा रही है। इन गतिविधियों का उद्देश्य युवाओं में पर्यावरणीय जिम्मेदारी एवं सतत विकास की भावना विकसित करना है। शिविर के दौरान सुबेदार मेजर हृदय रंजन सहित समस्त पीआईई स्टाफ एवं एनसीसी अधिकारियों ने व्यवस्थाओं का संचालन किया। इस अवसर पर कैप्टन रामानंद मिश्रा, लेफ्टिनेंट विनीता प्रजापति, लेफ्टिनेंट मुकेश आजाद, लेफ्टिनेंट राजकमल प्रजापति, चीफ ऑफिसर लखनलाल कुशवाहा, सेकंड ऑफिसर रश्मि पाठक, सेकंड ऑफिसर अनिल सोनी, सेकंड ऑफिसर शंकर बहादुर तथा सेकंड ऑफिसर निहाल सिंह रघुवंशी सहित अनेक अधिकारी उपस्थित रहे।

सात फेरे और सिंदूर के बाद प्रेमी संग दुल्हन फरार रायसेन में विदाई से पहले 15 लाख के गहने-नकदी लेकर गई

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। शादी का मंडप सजा था, बारात धूमधाम से पहुंची, वरमाला हुई, सात फेरे पड़े और दूल्हे ने पूरे रीति-रिवाज से दुल्हन की मांग में सिंदूर भी भर दिया। दोनों परिवार नई जिंदगी की शुरुआत की खुशियां मना रहे थे। लेकिन विदाई से पहले ही कहानी ने ऐसा मोड़ लिया कि पूरी शादी क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गई। रायसेन के बेगमगंज में आयोजित इस शादी में दुल्हन विदिशा जिले के पठरी क्षेत्र की रहने वाली थी, जबकि दूल्हा बेगमगंज का रहने वाला है। शुक्रवार रात अर्चना मैरिज गार्डन में विवाह समारोह हुआ। सभी वैवाहिक रस्में पूरी होने के बाद जब लोग विदाई की तैयारी में जुटे थे,

तभी नवविवाहिता अचानक गायब हो गईं। परिजनों को तलाश करने पर पता चला कि दुल्हन अपने कथित प्रेमी के साथ चली गई हैं। बताया जा रहा है कि वह अपने साथ शादी में चढ़ाए गए करीब 15

लाख रुपये के गहने और नकदी भी ले गई थी। जानकारी मिलते ही वर पक्ष में हड़कंप मच गया और रिश्तेदारों ने उसकी तलाश शुरू कर दी।

राहतगढ़ तिगड़े पर मिली

दुल्हन: काफी खोजबीन के बाद दुल्हन और उसका प्रेमी राहतगढ़ तिगड़े के पास मिल गए। दोनों को पकड़कर बेगमगंज थाने लाया गया। घटना की जानकारी लगते ही दोनों पक्षों के परिजन भी थाने पहुंच गए। सूत्रों के अनुसार, शुरुआत में दुल्हन गहने और अन्य सामान लौटाने को तैयार नहीं थी। बाद में दोनों पक्षों के बीच लंबी बातचीत और समझाइश के बाद समझौता हो गया। दुल्हन ने वर पक्ष द्वारा दिए गए गहने, कपड़े और नकदी वापस कर दी। स्टॉप पर लिखकर खतम किया रिश्ता थाने में आपसी सहमति से स्टॉप पर लिखित समझौता किया गया, जिसमें दोनों पक्षों ने वैवाहिक संबंध समाप्त करने पर सहमति जताई।

जनकल्याण शिविर बना ग्रामीणों के लिए वरदान

करारिया लश्करपुर में पेयजल समस्या के समाधान की दिशा में बड़ी पहल, हैंडपंप हेतु बोरिंग कार्य प्रारंभ

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। शासन की जनहितकारी योजनाओं और त्वरित समस्या समाधान की मंशा को साकार करते हुए जनपद पंचायत विदिशा द्वारा आयोजित जनकल्याण शिविर ग्रामीणों के लिए राहत का माध्यम बनते जा रहे हैं। इसी क्रम में ग्राम पंचायत करारिया लश्करपुर के ग्रामीणों द्वारा शिविर में पेयजल संकट की समस्या उठाई गई थी। ग्रामीणों ने गांव में हैंडपंप स्थापना की मांग करते हुए स्वच्छ एवं नियमित पेयजल उपलब्ध करने का अनुरोध किया था। ग्रामीणों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने तत्परता दिखाई। संबंधित अधिकारियों ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर मांग का परीक्षण कराया और

आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण करते हुए हैंडपंप स्वीकृत किया। इसके बाद शिविर पर हैंडपंप स्थापना के लिए बोरिंग कार्य भी प्रारंभ कर दिया गया है। हैंडपंप स्थापित होने के बाद गांव के लोगों को स्वच्छ पेयजल की सुविधा सुलभ होगी। विशेष रूप से महिलाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों को पानी के लिए दूर-दूर तक जाने से बचाव होगा, जिससे उनके समय और श्रम की बचत होगी। ग्रामीणों ने प्रशासन की इस त्वरित कार्रवाई पर संतोष व्यक्त करते हुए जनकल्याण

शिविर की सराहना की है। जनकल्याण शिविरों के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के नागरिक अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के समक्ष रख पा रहे हैं। प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे आमजन को तत्काल राहत मिल रही है। यही कारण है कि प्रतिदिन आयोजित हो रहे ये शिविर शासन और जनता के बीच संवाद का प्रभावी माध्यम बनकर उभर रहे हैं। यह पहल दशती है कि प्रशासन की संवेदनशीलता और त्वरित कार्यवाही से जनसमस्याओं का प्रभावी समाधान संभव है। करारिया लश्करपुर में हैंडपंप स्थापना का कार्य जनकल्याण शिविरों की सफलता का एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर सामने आया है।

10 पिस्टल और मैगजीन के साथ युवक गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर,खरगोन (निप्र)। पुलिस को बड़वानी जिले के उमटी से अवैध पिस्टल लाने की सूचना पर जिले के भगवानपुरा थाना क्षेत्र के पिपल्या बावड़ी में रोड पर शुक्रवार को खड़े होकर बस का इंतजार कर रहे युवक से पूछताछ कर तलाशी ली। पुलिस को जांच में युवक से 10 अवैध देसी पिस्टल के साथ ही 7 अतिरिक्त मैगजीन मिली जिन्हें जब्त कर लिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और न्यायालय में पेश करने पर दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। वहीं, पूछताछ में एक व्यक्ति का नाम सामने आया है जिसकी तलाश में पुलिस जुट गई है। भगवानपुरा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर पिपल्या बावड़ी पर बस का इंतजार कर रहे नवलपुरा निवासी गुरुबर्नर्सह सिक्लीगर (21) की तलाशी ली। इस दौरान उसके पास से 10 अवैध देसी पिस्टल और 7 अतिरिक्त मैगजीन बरामद की गईं। पूछताछ में आरोपी ने कोई वैध लाइसेंस होना नहीं बताया जिसके बाद उसे बीएनएस की धारा 25 (1) आर्म्स एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे 2 दिन के लिए पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। जांच में अभी एक आरोपी का नाम सामने आया है जिसकी जांच की जा रही है। पुलिस आरोपी के बैंक खाते भी खंगाल रही है।

यूएसए बांड बनाकर खपा रहे हैं अवैध हथियार महाराष्ट्र के बॉर्डर पर बसे बड़वानी जिले के उमटी गांव के सिक्लीगर समुदाय ने अवैध हथियार बनाने के अपने धंधे को बांड बनाकर उसे अवैध हथियारों पर लिख रहे हैं। उमटी सिक्लीगर आर्मस को यूएसए बांड नेम बना दिया है। जब्त हथियारों की जांच की तो उन पर पर यूएसए लिखा मिला। उमटी के सिक्लीगर समुदाय के लिए किसी भी विदेशी हथियार की हूबहू कॉपी बनाकर ले लेते हैं।

सेठानी घाट पर 400 लोगों ने किया योगाभ्यास

बारिश के अलर्ट के कारण धूपगढ़ की जगह पचमढ़ी में हुआ आयोजन

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर नर्मदापुरम के प्राचीन सेठानी घाट पर जिला स्तरीय योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस आयोजन में सांसद, कलेक्टर और एसपी सहित करीब 400 लोगों ने एक साथ योगासन किए। वहीं, बारिश की संभावनाओं को देखते हुए इस साल प्रदेश की सबसे ऊंची चोटी धूपगढ़ के बजाय पचमढ़ी के सूर्य नमस्कार गार्डन में योग कार्यक्रम संपन्न हुआ। सेठानी घाट पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम में लोकसभा सांसद दर्शन सिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, एसपी साई कृष्णा एस थोटा, नगर पालिका अध्यक्ष नीतू यादव और एडीएम अनिल जैन शामिल हुए। इनके साथ बड़ी संख्या में शासकीय अधिकारी, कर्मचारी, भाजपा पदाधिकारी और छात्र-छात्राओं ने भी योगाभ्यास किया। इस सामूहिक आयोजन के जरिए आमजन को योग के प्रति जागरूक रहने और इसे दिनचर्या

● प्रशिक्षकों द्वारा कराया योगाभ्यास ●

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर वर्धमान पब्लिक स्कूल में भारत स्वाभिमान ट्रस्ट एवं पतंजलि योग समिति, जिला नर्मदापुरम के सहयोग से विशेष योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि एवं योग प्रशिक्षक एमएल गौर (जिला अध्यक्ष, भारत स्वाभिमान ट्रस्ट एवं पतंजलि योग समिति, जिला नर्मदापुरम) के साथ केके सोनी एवं रमेश कुमार जगदेव ने विद्यार्थियों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया तथा योग के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नियमित योगाभ्यास से शरीर स्वस्थ, मन एकाग्र तथा जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक योग क्रियाओं में भाग लिया और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।

सांची जल प्रदाय योजना के निर्माणाधीन जल शोधन संयंत्र का एडीबी दल ने किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्य प्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी की परियोजना क्रियान्वयन इकाई, भोपाल अंतर्गत सांची जल प्रदाय योजना के तहत निर्माणाधीन जल शोधन संयंत्र का निरीक्षण आज एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) के प्रतिनिधिमंडल द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान एडीबी दल ने जल शोधन संयंत्र के विभिन्न निर्माणाधीन घटकों का अवलोकन करते हुए परियोजना की प्रगति, निर्माण गुणवत्ता तथा कार्यों की वर्तमान स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। दल ने परियोजना के निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन पर संतोष व्यक्त करते हुए आवश्यक सुझाव भी दिए। इस अवसर पर परियोजना अधिकारी श्री सुबोध जैन, सहायक परियोजना प्रबंधक श्री राहुल समाधिया, सीडीओ श्री गिरिश नायर, डॉ. अमित कुल्हार, परियोजना प्रबंधन सलाहकार फर्म के श्री दीपक हतवाले सहित संविदाकार के प्रतिनिधि एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। एडीबी के प्रतिनिधिमंडल द्वारा जल शोधन संयंत्र परिसर में पैंथरोपण

मौसम ने आयोजन स्थल बदलवा दिया। बारिश की प्रबल संभावनाओं के चलते प्रशासन ने एहतियात के तौर पर धूपगढ़ के स्थान पर पचमढ़ी के सूर्य नमस्कार गार्डन में योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया। एसडीएम आकिब खान, साडा सीईओ, कैट सीईओ, तहसीलवार वैभव बैरागी, सदीपनी स्कूल, राजा भूपतिसिंह महाविद्यालय के शिक्षक एवं छात्र, छात्राएं तथा बड़ी संख्या में पचमढ़ी के नागरिक व पर्यटक उपस्थित रहे।

वैभव सूर्यवंशी ने वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा, 11 बॉल में अर्धशतक

50 ओवर क्रिकेट में फास्टेस्ट फिफ्टी ट्राईसीरीज फाइनल में 29 बॉल पर 94 रन बनाए

दांबुला ,एजेसी। वैभव सूर्यवंशी ने 50 ओवर की क्रिकेट में सबसे तेज हाफ सेंचुरी बनाने का 20 साल पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया है। वैभव ने श्रीलंका-ए के खिलाफ अभी चल रहे ट्राई सीरीज के फाइनल में 29 बॉल पर 94 रन बनाए। उन्होंने सिर्फ 11 गेंदों पर हाफ सेंचुरी पूरी कर ली।

वैभव की इस पारी की बदौलत इंडिया-ए ने श्रीलंका-ए के खिलाफ फाइनल मुकाबले में 50 ओवर व 9 विकेट खोकर 377 रन बनाए। अनुकुल रॉय ने 15 गेंदों पर 39 रन बनाए। कप्तान तिलक वर्मा ने 67, प्रियांश आर्या ने 39 और कुमार कुशाग्र ने 36 रन बनाए।

जवाब में श्रीलंका ने 14 ओवर के बाद 3 विकेट के नुकसान पर 105 रन बनाए हैं। सदीरा समरविक्रमा और सहान अराचिंघे क्रोज पर हैं।

वैभव ने श्रीलंका के कौशल्य वीराले का रिकॉर्ड तोड़ा

वैभव से पहले 50 ओवर की क्रिकेट में फास्टेस्ट हाफ सेंचुरी श्रीलंका के कौशल्य वीराले ने बनाई थी। उन्होंने 2006 में रागामा

क्रिकेट क्लब की ओर से खेलते हुए 12 बॉल पर फिफ्टी पूरी की थी। सीनियर लेवल पर 50 ओवर की क्रिकेट में दो तरह के मैच होते हैं। लिस्ट-ए और वनडे इंटरनेशनल। हर वनडे इंटरनेशनल अपने आप में एक लिस्ट-ए मैच भी होता है।

वनडे इंटरनेशनल में सबसे तेज फिफ्टी का रिकॉर्ड एबी डिविलियर्स और मैथ्यू फोर्ड के नाम है। दोनों बल्लेबाजों ने 16-16 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया था। साथै अफ्रीका के एबी डिविलियर्स ने 18 जनवरी 2015 को जोहान्सबर्ग में वेस्टइंडीज के खिलाफ यह कारनामा किया था। इसके बाद उन्होंने 44 गेंदों में 149 रन बनाए थे। वहीं, 23 मई 2025 को डबलिन में वेस्टइंडीज के

मैथ्यू फोर्ड ने आयरलैंड के खिलाफ फिफ्टी लगाकर डिविलियर्स के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

प्लेइंग-XI

भारत-ए: वैभव सूर्यवंशी, प्रियांश आर्या, ऋतुराज गायकवाड, तिलक वर्मा (कप्तान), कुमार कुशाग्र, सूर्यांश शेडो, अनुकुल रॉय, निशांत सिंधु, विप्रज निगम, अशोक शर्मा, यश ठाकुर।

श्रीलंका-ए: निरोशन डिकवेल (विकेटकीपर), अविष्का फर्नांडे, रविंदु फर्नांडे, सदीरा समरविक्रमा, सहान अराचिंघे (कप्तान), नुवानिंदु फर्नांडे, वनुजा सहान, मोहम्मद शिगज, दुलाज समुथिला, विजयकान्त वियासकान्त, कुमाथस माथुलन।

समरविक्रमा को मिला जीवनदान

श्रीलंका-ए के बल्लेबाज सदीरा समरविक्रमा को 12वें ओवर में जीवनदान मिला। सूर्यांश शेडो की बैक ऑफ लेंथ गेंद पर उन्होंने फुल शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले पर सही तरह नहीं आई और मिडविकेट की ओर हवा में चली गई।

फीफा विश्व कप ट्रॉफी की चोरी का रहस्य, सात दिन बाद जासूस कुत्ते ने किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली ,एजेसी। फीफा विश्व कप दुनिया का सबसे प्रतिष्ठित फुटबॉल टूर्नामेंट माना जाता है और इसकी ट्रॉफी खेल जगत की सबसे अनमोल धरोहरों में गिनी जाती है। लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि एक समय ऐसा भी आया था जब विश्व कप की असली

ट्रॉफी चोरी हो गई थी और उसे खोजने में पुलिस नहीं, बल्कि एक जासूस कुत्ते ने अहम भूमिका निभाई थी। यह घटना वर्ष 1966 की है, जब इंग्लैंड फीफा विश्व कप की मेजबानी की तैयारियों में जुटा हुआ था। टूर्नामेंट शुरू होने से कुछ महीने पहले लंदन में आयोजित एक प्रदर्शनी में विश्व कप की मूल ट्रॉफी, जिसे उस समय 'जुल्स रिमेट ट्रॉफी' कहा जाता था, लोगों के प्रदर्शन के लिए रखी गई थी। इसी दौरान अज्ञात चोर ट्रॉफी को चुरा ले गए। ट्रॉफी के गायब होने की खबर फैलते ही इंग्लैंड में हड़कंप मच गया। स्कॉटलैंड यार्ड की पुलिस और फीफा अधिकारियों ने व्यापक स्तर पर जांच शुरू की, लेकिन कई दिनों की खोजबीन के बाद भी

ट्रॉफी का कोई सुराग नहीं मिल सका। ट्रॉफी की चोरी से इंग्लैंड की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना होने लगी। पुलिस की तमाम कोशिशें नाकाम साबित हो रही थीं। तभी इस कहानी में 'पिकल्स' नाम के एक साधारण कुत्ते की एंट्री हुई। चोरी के सात दिन बाद पिकल्स अपने

मालिक के साथ दक्षिण लंदन के एक इलाके में टहल रहा था। इसी दौरान उसकी नजर झाड़ियों में रखे एक सटिध पैकेट पर पड़ी। कुत्ता लगातार भौंकने लगा, जिससे उसके

मालिक का ध्यान उस ओर गया। जब मालिक ने पास जाकर देखा तो वह हैरान रह गया। झाड़ियों के बीच अखबार में लिपटी हुई वही विश्व कप ट्रॉफी रखी हुई थी, जिसकी तलाश पूरी दुनिया कर रही थी। उसने तुरंत पुलिस को सूचना दी और ट्रॉफी अधिकारियों को सौंप दी गई। इस तरह विश्व फुटबॉल की सबसे महत्वपूर्ण धरोहर सुरक्षित वापस मिल गई। ट्रॉफी की बर्गमदगी के बाद पिकल्स रातों-रात अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध हो गया।



इंग्लैंड वनडे सीरीज से पहले विराट कोहली का फिटनेस टेस्ट

नई दिल्ली ,एजेसी। भारतीय क्रिकेट टीम इंग्लैंड के खिलाफ आगामी तीन एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय (वनडे) मैचों की श्रृंखला के लिए कम्मर कस रही है, जो 14 से 19 जुलाई तक खेले जाएंगे। इस महत्वपूर्ण श्रृंखला के लिए टीम चयन से पहले, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को अपनी फिटनेस साबित करने के लिए एक अनिवार्य फिटनेस टेस्ट से गुजरना होगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के प्रतिष्ठित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में होने वाला यह फिटनेस टेस्ट विराट के इंग्लैंड दौरे पर भागीदारी के लिए निर्णायक साबित होगा, जिसकी पुष्टि बीसीसीआई के सूत्रों ने की है। विराट कोहली, जिन्होंने हाल ही में संपन्न हुए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूर (आरसीबी) को गुजरात टाइटन्स के खिलाफ एक अविश्वसनीय और यादगार जीत दिलाई थी, उसी मैच के दौरान हैमरिस्ट्रॉंग की चोट से जूझ रहे थे। उनकी शानदार नाबाद 75 रन की पारी ने भले ही आरसीबी को खिताब दिलाया, लेकिन इस चोट ने उन्हें अफगानिस्तान के खिलाफ पिछली वनडे श्रृंखला से बाहर रहने पर मजबूर कर दिया था। यह चोट खेल के सबसे महत्वपूर्ण क्षणों

में खिलाड़ियों को प्रभावित कर सकती है और विराट जैसे शीर्ष खिलाड़ी के लिए इसका समय बहुत ही नाजुक था। वर्तमान में, विराट लंदन में अपनी चोट से उबरने और गहन रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया को सुरू करने में व्यस्त हैं, जहां वह विशेषज्ञों की निगरानी में अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं।

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार कोहली बहुत जल्द बीसीसीआई के सीओई में अपनी फिटनेस जांच के लिए रिपोर्ट करेंगे। भारतीय टीम में उनकी वापसी तभी संभव होगी जब वह इस फिटनेस टेस्ट को सफलतापूर्वक पास कर लेंगे। कोहली का अनुभव, उनकी मौजूदा फॉर्म और बड़े मैचों में प्रदर्शन करने की उनकी क्षमता टीम इंडिया के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं, खासकर इंग्लैंड जैसी मजबूत और प्रतिस्पर्धी टीम के खिलाफ। उनकी अनुपस्थिति टीम के मध्यक्रम में अनुभव और स्थिरता की कमी महसूस करा सकती है, यही कारण है कि चयनकर्ता उनके फिटनेस पर कड़ी नजर रख रहे हैं और उनकी वापसी की उम्मीद कर रहे हैं। अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति को इंग्लैंड श्रृंखला के लिए भारतीय टीम का चयन करना है, यह चयन न केवल खिलाड़ियों के वर्तमान प्रदर्शन पर आधारित होगा ।



टीम इंडिया को बड़ा झटका: हार्दिक पंड्या इंग्लैंड दौरे से बाहर, विराट कोहली की फिटनेस पर भी सवाल

नई दिल्ली ,एजेसी। इंग्लैंड के खिलाफ आगामी लिमिटेड ओवरों की सीरीज से पहले टीम इंडिया को एक बड़ा झटका लगा है। भारत के प्रमुख ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या चोटिल होने के कारण इस महत्वपूर्ण दौरे से बाहर हो गए हैं। इसके अलावा, टीम के सबसे अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की फिटनेस को लेकर भी अनिश्चितता बनी हुई है, जिसने चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन की चिंताएं बढ़ दी हैं। हार्दिक की अनुपस्थिति निश्चित रूप से टीम के संतुलन को प्रभावित करेगी, विशेष रूप से ऐसे समय में जब टीम एक व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम का सामना कर रही है। हार्दिक पंड्या हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज में भी नहीं खेल पाए थे, जो उनकी चोट की गंभीरता को दर्शाता है। उन्हें यह चोट आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए लगी थी। हार्दिक, जो अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और उपयोगी मध्यम गति की गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं, टीम के लिए एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं, खासकर सीमित ओवरों के



प्रारूप में। उनकी अनुपस्थिति का मतलब है कि टीम को उनकी जगह किसी ऐसे खिलाड़ी को ढूंढना होगा जो उनकी ऑलराउंड क्षमता की भरपाई कर सके, जो

एक बड़ी चुनौती होगी। उनकी लगातार चोटों ने केवल उनके व्यक्तिगत प्रदर्शन को बाधित कर रही हैं, बल्कि टीम के दीर्घकालिक योजनाओं पर भी असर

डाल रही हैं। दूसरी ओर, विराट कोहली की फिटनेस पर सदेह ने भी टीम प्रबंधन को चिंता करने पर मजबूर कर दिया है। हालांकि उनकी चोट की प्रकृति के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन यह चिंता का विषय है क्योंकि कोहली टीम की बल्लेबाजी रीढ़ की हड्डी हैं। उनके अनुभव और मैच जिताने की क्षमता को देखते हुए, उनकी किसी भी तरह की अनुपस्थिति या कम फिटनेस टीम के प्रदर्शन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकती है। चयनकर्ता संभवतः उनकी स्थिति पर बारीकी से नजर रखे हुए होंगे और अंतिम निर्णय से पहले उनकी फिटनेस रिपोर्ट का इंतजार करेंगे। हालांकि, टीम के लिए कुछ राहत भरी खबर भी है। युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल, अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल, वापसी कर रहे विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत और प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के लिए चुनी जाने वाली वनडे टीम के लिए पूरी तरह से फिट घोषित किए गए हैं। छ इन सभी फिट खिलाड़ियों की सीओई (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस) रिपोर्ट चयनकर्ताओं को भेज दी गई है।

इरा एरी भारतीय मूल की ऑस्ट्रेलियन क्रिकेटर, बनीं सोशल मीडिया की नई सनसनी

नई दिल्ली ,एजेसी। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के बीच भारतीय मूल की ऑस्ट्रेलियन क्रिकेटर इरा एरी को लेकर सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है। हालांकि, यह चर्चा उनके क्रिकेटिंग कौशल से अधिक उनकी असाधारण खूबसूरती और करिश्माई व्यक्तित्व को लेकर है। इरा एरी ने ऑस्ट्रेलिया के जूनियर क्रिकेट सर्किट में पहले ही अपनी दमदार छाप छोड़ी है और क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना ​​है कि उन्हें जल्द ही ऑस्ट्रेलियाई महिला सीनियर टीम में खेलने का मौका मिल सकता है। जबकि ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में खिताब की प्रबल दावेदारों में से एक है और उन्होंने टूर्नामेंट में अपनी दमदार शुरुआत भी की है, इसी बीच ऑस्ट्रेलिया की एक युवा जूनियर क्रिकेटर अचानक सोशल मीडिया पर धूम मचाने लगी हैं। इस महिला क्रिकेटर का नाम है इरा एरी, जो अपनी सुंदरता और खेल दोनों के लिए सुर्खियां बटोर रही हैं। इरा एरी भारतीय मूल की ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर हैं, और उनकी उपस्थिति ने युवा महिला क्रिकेटर्स के प्रति प्रशंसकों की रुचि को और बढ़ा दिया है। 17 साल की इरा को अभी तक ऑस्ट्रेलिया की महिला सीनियर टीम में डेब्यू का मौका नहीं मिला है, लेकिन उनकी प्रतिभा और प्रदर्शन को देखते हुए इसकी जल्द ही उम्मीद की जा रही है। वह ऑस्ट्रेलिया के क्रिकेट भविष्य का एक उज्ज्वल सितारा मानी जा रही हैं।बता दें कि इरा इन दिनों अपने खेल से ज्यादा अपनी खूबसूरती को लेकर



चर्चा का केंद्र बनी हुई हैं। सोशल मीडिया पर इरा की कई सारी तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं, जिससे प्रशंसकों के बीच उनकी लोकप्रियता आसमान छू रही है। ऐसे में क्रिकेट फैस भी यह जानना चाह रहे हैं कि भारतीय मूल की यह ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर कौन हैं, जो मैदान और ऑफ-फील्ड दोनों जगह जलवा बिखेर रही हैं। इरा का जन्म विकटोरिया के हाइडेलबर्ग में हुआ था। वह एक दाएं हाथ की मीडियम पेसर और कुशल बैटर हैं, जो उन्हें एक बहुमुखी ऑलराउंडर बनाती हैं।

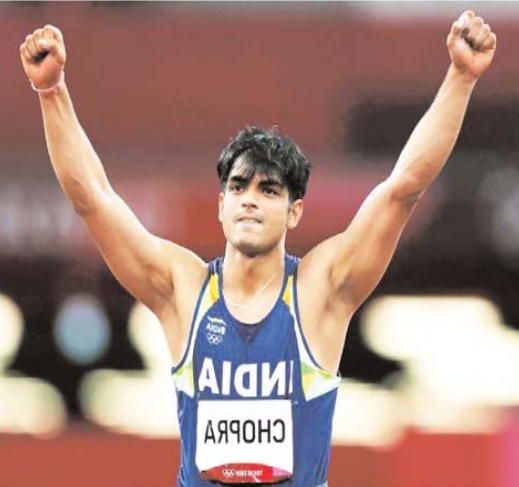
90 मिनट तक मूर्ति बनकर टीम का हौसला बढ़ाता है कांगो का अनोखा सुपर फैन

नई दिल्ली ,एजेसी। फुटबॉल के मैदान में खिलाड़ियों के साथ-साथ दर्शकों का उत्साह भी किसी मैच को यादगार बना देता है। लेकिन लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो का एक समर्थक ऐसा है, जिसने अपने अनोखे अंदाज से पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। मिशेल नकुका म्बोलाडिंगा, जिन्हें लोग 'लुमुम्बा वेआ' के नाम से जानते हैं, आज कांगो फुटबॉल की पहचान बन चुके हैं। हाल ही में विश्व कप में पुर्तगाल के खिलाफ कांगो के ऐतिहासिक मुकाबले के दौरान उनकी अनुपस्थिति चर्चा का विषय बनी रही। विश्व कप में 52 वर्षों बाद वापसी कर रही कांगो की टीम ने पुर्तगाल जैसी मजबूत टीम को 1-1 की बराबरी पर रोककर सबको चौंका दिया। इस मुकाबले में टीम ने विश्व कप इतिहास का अपना पहला गोल भी दर्ज किया। हालांकि स्टेडियम में हजारों समर्थकों के बीच वह चेहरा नजर नहीं आया, जिसे कांगो फुटबॉल का सबसे बड़ा प्रशंसक माना जाता है।



म्बोलाडिंगा इस ऐतिहासिक मैच को इसलिए नहीं देख सके क्योंकि वे इबोला संक्रमण से जुड़े एहतियाती नियमों के तहत 21 दिनों के अनिवार्य क्वारंटाइन में थे। इसी वजह से उन्हें स्टेडियम से दूर रहना पड़ा। उनकी अनुपस्थिति ने कई प्रशंसकों को निराश किया, क्योंकि वे अपनी अनोखी शैली के कारण दुनियाभर

में प्रसिद्ध हैं। वर्ष 2025 में अफ्रीका कप ऑफ नेशन्स के दौरान म्बोलाडिंगा पहली बार वैश्विक सुर्खियों में आए थे। वे मैच देखने के लिए हमेशा आकर्षक सूट, टाई और विटेज चश्मा पहनकर पहुंचते हैं। उनकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि वे पूरे मैच के दौरान बिना हिले-डुले एक मूर्ति की तरह खड़े रहते हैं।



चोट के बाद नीरज चोपड़ा की शानदार वापसी

दोहा डायमंड लीग में चौथे स्थान के साथ राष्ट्रमंडल खेलों का टिकट पक्का

नई दिल्ली ,एजेसी। चोट की मार, आठ महीने का लंबा इंतजार और फिर दुनिया के सबसे बड़े मंचों में से एक पर वापसी भारतीय जैवलीन शो के पोस्टर बॉय नीरज चोपड़ा के लिए दोहा डायमंड लीग 2026 केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि उनके अदम्य साहस और जुझारुपन की एक नई कहानी थी। लगभग आठ महीने तक पीठ की चोट से जूझने के बाद, 28 वर्षीय पूर्व ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता ने एक बार फिर मैदान पर कदम रखा। हालांकि यह वापसी वही नहीं रही जैसी उनके करोड़ों प्रशंसक उम्मीद कर रहे थे, लेकिन खेल के प्रति उनका समर्पण और तकनीक आज भी उतनी ही लाजवाब दिखी। नीरज चोपड़ा प्रतियोगिता में चौथे स्थान पर रहे, लेकिन उन्होंने आगामी राष्ट्रमंडल खेलों के लिए क्वालीफाई करके यह साबित कर दिया कि शेर भले ही कुछ समय के लिए शांति था, लेकिन वह शिकार करना भूला नहीं है। दोहा की सुहानी शाम और खवाखव भरे स्टेडियम में जब नीरज चोपड़ा ने अपने हाथ में भाला थामा, तो पूरे देश की घड़कनें थमी हुई थीं। एक लंबे अंतराल के बाद मैदान पर उतरने का दबाव साफ दिख रहा था, जिसका असर उनके पहले प्रयास पर पड़ा। नीरज का पहला थ्रो फाउल रहा, जो किसी भी एथलीट के लिए चोट के बाद वापसी करते हुए पहली ही कोशिश में मानसिक रूप से परेशान कर सकता है। ऐसा लगा कि शायद शरीर के जंग को साफ होने में अभी थोड़ा और वक्त लगेगा। लेकिन नीरज चोपड़ा आम खिलाड़ियों से अलग मिट्टी के बने हैं। वे जानते हैं कि दबाव को कैसे अपनी ताकत बनाना है। दूसरे प्रयास के बाद, खेल के तीसरे दौर में पूर्व विश्व नंबर 1 खिलाड़ी ने अपने विर-परिचित अंदाज की झलक दिखाई। उन्होंने पूरी ताकत और सटीक कोण के साथ भाला हवा में लहराया, जिसने 85.69 मीटर की दूरी तय की। इस शानदार थ्रो के साथ ही नीरज ने अंक तालिका में लंबी छलांग लगाई और तीसरे स्थान पर पहुंच गए। स्टेडियम में मौजूद भारतीय प्रशंसक झूम उठे और ऐसा लगा कि नीरज अपने पुराने रंग में लौट आए हैं। चोट के बाद इस स्तर की दूरी हासिल करना यह दिखाता है कि उनकी मांसपेशियों की ताकत और तकनीक अभी भी कितनी मजबूत है। इसके बाद चौथे दौर में नीरज ने अपनी निरंतरता बनाए रखने की कोशिश की। उन्होंने 83.45 मीटर का एक और मजबूत थ्रो फेंका।

सहायक ग्रेड-02 निलंबित

रिश्वतखोरी के मामले में कलेक्टर ने की कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन योजना के तहत विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने के बदले कथित रूप से रिश्वत लेने के मामले में बेमेतरा कलेक्टर कार्यालय में पदस्थ सहायक ग्रेड-02 विनय कुमार कुर्गे को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।जानकारी के अनुसार ग्राम सिंघनपुरी निवासी दिलेश बंजारे ने 11 जून 2026 को शिकायत दर्ज कराई थी कि अंतर्जातीय विवाह प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत विवाह पंजीयन प्रमाण पत्र जारी करने के एवज में उनसे अनुचित रूप से राशि ली गई। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने जांच समिति गठित कर मामले की जांच कराई और शिकायत सही पाए जाने पर निलंबन की कार्रवाई की।

एसआरसी कंपनी की चैन माउंटेड मशीन जव्त मुरुम के अवैध उत्खनन मामले में कार्रवाई



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। खनिज के अवैध खनन एवं परिवहन के खिलाफ कार्रवाई के लिए रायगढ़ जिले में संचालित अभियान के तहत खनिज विभाग ने ग्राम रोड़ोपाली (तहसील तमनार) में मुरुम और मिट्टी के अवैध उत्खनन का मामला पकड़ा है। उक्त मामले में एसआरसी कंपनी की चैन माउंटेड मशीन जव्त कर सील कर दी। कंपनी के खिलाफ छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम, 2015 तथा खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। खनिज विभाग ने सभी निर्माण एजेंसी के ठेकेदारों को चेतावनी दी है कि बिना वैध अनुमति खनिज का उत्खनन या परिवहन करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अब ‘सेवा-सेतु केंद्र’ से मिलेगी 442 डिजिटल सेवाएं लोक सेवा केंद्रों का हुआ उन्नयन, मिलने वाली सुविधाओं का भी बढ़ा दायरा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य शासन ने नागरिक सेवाओं को अधिक सुगम, पारदर्शी और डिजिटल रूप से सुलभ बनाने की दिशा में पहल करते हुए प्रदेश में संचालित लोक सेवा केंद्रों का उन्नयन कर उन्हें अब सेवा - सेतु केंद्र नाम दिया है। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य आम नागरिकों को एक ही स्थान पर अधिकतम शासकीय एवं डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराया जाएगा। पूर्व में लोक सेवा केंद्रों के माध्यम से 73 सेवाएं उपलब्ध थीं, वहीं अब सेवा-सेतु केंद्रों के जरिए 442 सेवाएं नागरिकों को प्रदान की जा रही हैं। इससे शासन की सेवाएं गांव-गांव और आमजन तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंच सकेंगी। नई व्यवस्था से समय, श्रम और संसाधनों की बचत होने के साथ-साथ सेवाओं की पारदर्शिता और गुणवत्ता में भी वृद्धि होगी। राज्य शासन द्वारा सेवा - सेतु केंद्रों की एक समान पहचान स्थापित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इसके तहत सभी केंद्रों में एकरूपता के साथ बोर्ड एवं नाम पट्टिकाएं प्रदर्शित की जाएंगी। अब पोर्टल, रसीद एवं आधिकारिक पत्राचार में भी लोक सेवा केंद्र के स्थान पर सेवा - सेतु केंद्र नाम का उपयोग किया जाएगा। वहीं सेवा - सेतु पोर्टल संचालित करने वाले अधिकृत सेवा प्रदाताओं को सेवा- सेतु प्रबंधक कहा जाएगा। सेवा सेतु केंद्रों पर नागरिकों के विभिन्न आवेदन प्राप्त किए जा रहे हैं। इन केंद्रों के माध्यम से आय , जाति ,निवास प्रमाण पत्र ,विवाह पंजीयन, भवन अनुज्ञा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से जुड़ी साफ सफाई व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट सुधार, नाम परिवर्तन हेतु राजपत्र अधिसूचना, जैसी सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। नागरिक सेवा सेतु पोर्टल (<https://sewasetu.cgstate.gov.in/>) मे जा कर स्वयं का पंजीयन करके भी आवेदन कर सकते है।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 से किसान को मिली त्वरित राहत, 24 घंटे में उपलब्ध हुआ खाद

शिकायत मिलते ही सक्रिय हुआ कृषि विभाग, जिला स्तर पर एनसीएल जारी कर बनाया किसान क्रेडिट कार्ड

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 आम नागरिकों और किसानों की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी मंच बनकर उभर रही है। सरगुजा जिले के ग्राम सुखरी निवासी किसान अजय राजवाड़े को इस व्यवस्था का लाभ तब मिला, जब उनकी शिकायत का समाधान महज 24 घंटे के भीतर कर दिया गया। अजय राजवाड़े ने बीज एवं खाद की उपलब्धता नहीं होने संबंधी शिकायत मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 में दर्ज कराई थी। शिकायत प्राप्त होते ही कृषि विभाग ने गंभीरता से कार्रवाई शुरू की और समस्या के कारणों की जांच की गई। कृषि विभाग के वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी जे. आलम, समिति प्रबंधक राम भरोसे तथा सहायक प्रबंधक मती भगवती के विशेष प्रयासों से जिला स्तर पर एनसीएल (न्यू क्रेडिट लिमिट) जारी कर किसान का किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) तैयार कराया गया। केसीसी बनने के तुरंत बाद किसान को आवश्यक खाद उपलब्ध करा दी गई, जिससे उनकी समस्या का त्वरित निराकरण संभव हो सका। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन और संवेदनशील प्रशासन की भावना के अनुरूप विभागीय अधिकारियों ने समयबद्ध कार्रवाई करते हुए शिकायत का समाधान 24 घंटे के भीतर सुनिश्चित किया। इससे किसान को कृषि कार्यों के लिए आवश्यक संसाधन समय पर प्राप्त हो सके।

राज्यपाल डेका ने मरका गांव के स्कूल को दिए डिजिटल बोर्ड

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल रमेन डेका ने लोकभवन में बेमेतरा जिले के ग्राम मरका के स्कूल के लिए डिजिटल बोर्ड प्रदान किया। डेका ने ग्राम पंचायत मरका में संचालित शासकीय मीडिल स्कूल के बच्चों की सुविधा के लिए 65 इंच का यह स्मार्ट बोर्ड अपने स्वेच्छानुदान मद से प्रदान किया है। ग्रामीणों ने बताया कि उनके स्कूल में शिक्षक उपलब्ध है लेकिन स्मार्ट बोर्ड नहीं था। अब यह सुविधा मिलने से स्कूल के बच्चे नवोदय विद्यालय, सैनिक स्कूल, प्रयास विद्यालय जैसे उत्कृष्ट विद्यालयों में प्रवेश के लिए तैयारी कर सकेंगे। ग्रामीणों ने राज्यपाल को जैविक रूप से उत्पादित दाल, चना एवं अन्य सामग्रियां भेंट की। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ.सी.आर.प्रसन्ना, ग्राम पंचायत के पदाधिकारी, शाला प्रबंधक समिति के अध्यक्ष उपस्थित थे।

मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़

पर्यावरण संरक्षण, विशेष पिछड़ी जनजातियों के उत्थान

ब्रेस्ट कैंसर जागरूकता के लिए रोटेरियन निभाएं सक्रिय भूमिका- डेका



उन्होंने राज्य के विशेष पिछड़ी जनजातियों के उत्थान और विकास में भी रोटरी क्लब के सहयोग की अपेक्षा जताई। उन्होंने कहा कि विशेष पिछड़ी जनजातियों की संस्कृति छत्तीसगढ़ की मूल पहचान और धरोहर है, जिसे संरक्षित रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने रोटेरियन से विशेष पिछड़ी जनजाति बाहुल्य

क्लब महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि बस्तर क्षेत्र में वहां के लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने, शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के अवसर बढ़ाने के लिए सामाजिक संगठनों को आगे आना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में शासन द्वारा अच्छे कार्य किए जा रहे हैं। इसकी जानकारी देने और इस दिशा में जागरूकता बढ़ाने में रोटेरियन सहयोग कर सकते हैं। बैठक में रोटरी क्लब के अध्यक्ष रितेश जित्तल ने राज्यपाल डेका का स्वागत किया। क्लब की ओर से उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. सी.आर. प्रसन्ना, रोटरी क्लब गेटर रायपुर के सचिव प्रकाश अग्रवाल, क्लब के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने भारत माता की प्रतिमा एवं भव्य शहीद स्मारक का किया लोकार्पण

नेउरगाँव खुर्द में ग्रामीणों ने पेश की आपसी एकता की मिसाल- उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कबीरधाम जिले के बोड़ला विकासखंड अंतर्गत आने वाले ग्राम नेउरगाँव खुर्द में भारत माता की प्रतिमा एवं भव्य शहीद स्मारक का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीणों की एकजुटता, देशभक्ति और शहीदों के प्रति सम्मान की भावना की सराहना करते हुए कहा कि नेउरगाँव खुर्द ने पूरे प्रदेश के लिए एक प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया है। 'गाँव के हर घर से हुआ सहयोग' उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि शहीदों के त्याग और बलिदान को स्मरणीय बनाए रखने के लिए ग्रामीणों द्वारा किया गया यह प्रयास समाज में राष्ट्रप्रेम और सामाजिक समरसता का अनुकरणीय उदाहरण है। उन्होंने बताया कि शहीद स्मारक परिसर के निर्माण की शुरुआत उनकी विधायक निधि से प्रदत्त 3.50 लाख रुपए की राशि से हुई थी। इसके बाद ग्रामीणों ने इसे केवल एक निर्माण कार्य न मानकर अपनी श्रद्धा और कृतज्ञता का प्रतीक बना दिया। इसके लिए गाँव के हर घर से कुछ ना कुछ सहयोग प्रदान किया गया और ग्रामीणों ने आपसी सहयोग और जनभागीदारी से स्वयं चंदा एकत्र कर लगभग 10 लाख रुपए की लागत से शहीद स्मारक का निर्माण कराया।



'नई पीढ़ी को मिलेगी देश के वीर शहीदों के बलिदान से प्रेरणा' उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि इस कार्य की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि गाँव का सामूहिक प्रयास सामाजिक एकता, सद्भाव और राष्ट्रभक्ति की उत्कृष्ट मिसाल है। ऐसे कार्य नई पीढ़ी को देश के वीर शहीदों के बलिदान से प्रेरणा देने और समाज के प्रति अपने दायित्वों को समझने का अवसर प्रदान करते हैं। कार्यक्रम के दौरान शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने ग्रामवासियों से मुलाकात कर उनसे संवाद भी किया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक डॉ. सियाधाम साहू, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम धुवें, रामकिंकर वर्मा बड़ी सख्या में ग्रामीणजन, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

जब हम एक-दूसरे की भाषा, कला और संस्कृति से एकाकार होते है तो राष्ट्र की एकता और अखंडता और मजबूत होती है - राज्यपाल डेका

लोकभवन में मनाया गया विभिन्न राज्यों का स्थापना दिवस

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल रमेन डेका के मुख्य आतिथ्य में आज लोकभवन में 3 राज्यों का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। लोकभवन के छत्तीसगढ़ मण्डपमें में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित इस समारोह में पश्चिम बंगाल, गोवा और तेलंगाना राज्यों का स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर राज्यपाल ने सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि जब हम एक-दूसरे की भाषा, कला, संस्कृति और जीवन-शैली से एकाकार होते हैं, तो राष्ट्र की एकता और अखंडता और मजबूत होती है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य एक-दूसरे राज्य की संस्कृति को जानना और



आदान-प्रदान करना है। राज्यपाल ने कहा कि पश्चिम बंगाल ने हमें कई ऐसे महापुरुष दिए हैं जिन्होंने देश और समाज की दिशा ही बदल दी। बकिमचंद्र चटर्जी के बड़े मातरम् गीत ने सारे देश में जागरण लाया। स्वामी विवेकानंद ने भारत की संस्कृति का पूरे

विश्व में प्रचार-प्रचार किया। ईश्वर चंद्र विद्यासागर ने विधवा पुनर्विवाह का समर्थन कर समाज को नई दिशा दी। नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने आजादी की लड़ाई में बहुत बड़ी भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि बंगाल में समृद्ध व्यापार के साथ-साथ समृद्ध

प्रधानमंत्री आवास योजना से मिला अपना आशियाना, मती चम्पा बाई का पक्के घर का सपना हुआ साकार

आर्थिक कठिनाइयों के बीच शासन की सहायता से पूरा हुआ वर्षों पुराना सपना



बनाना उनके लिए एक अधूरा सपना था। ऐसे समय में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) उनके जीवन में उम्मीद की नई किरण बनकर आई। योजना के तहत चयन होने के बाद शासन से प्राप्त सहायता राशि से उन्होंने अपने पक्के घर का निर्माण कराया। धीरे-धीरे उनका वर्षों पुराना सपना साकार हो गया। आज मती चम्पा बाई अपने परिवार के साथ सुरक्षित, मजबूत और सुविधायुक्त पक्के मकान में रहे रही हैं। अब उन्हें मौसम की

मार या घर की सुरक्षा को लेकर पहले जैसी चिंता नहीं रहती। परिवार को बेहतर वातावरण मिला है और जीवन में सम्मान एवं आत्मविश्वास की भावना भी बढ़ी है।मती चम्पा बाई बताती हैं कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उनका भी अपना पक्का घर होगा। आज अपने नए घर को देखकर उन्हें गर्व और संतोष का अनुभव होता है। वे मानती हैं कि प्रधानमंत्री आवास योजना ने उनके जीवन में बड़ा बदलाव लाया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन को इस योजना ने गरीब परिवारों के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन का मार्ग प्रशस्त किया है। यह कहानी केवल एक मकान बनने की नहीं, बल्कि एक परिवार के जीवन में आए विश्वास, सुरक्षा और नए आत्मसम्मान की कहानी है। प्रधानमंत्री आवास योजना ऐसे अनेक परिवारों के लिए बेहतर भविष्य का आधार बन रही है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में ग्रामीण महिलाओं की सफलता की नई कहानी

बिहान समूह की दीर्घियों ने बाजार में बनाई मजबूत पहचान,

जब पेंड्रा के प्रतिष्ठित नागरिक संदीप पाठक ने चावल की गुणवत्ता और शुद्धता से प्रभावित होकर एक क्विंटल (100 किलोग्राम) विष्णु भाग चावल का केंद्र बना रहा। अपनी विशिष्ट सुगंध, उत्कृष्ट गुणवत्ता और पारंपरिक स्वाद के कारण विष्णु भाग चावल को कार्यक्रम में पहुंचा आगंतुकों और उपभोक्ताओं से अत्यंत सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। स्थानीय उत्पादों के प्रति बढ़ते विश्वास का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि कार्यक्रम के दौरान स्टॉल से 68 किलोग्राम विष्णु भाग चावल की तुलना बिक्री हुई। कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि तब दर्ज हुई

सहायता समूहों को प्रशिक्षण, विपणन, वित्तीय सहायता और उद्यम विकास के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे गांवों की महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं। यही कारण है कि अब महिला समूह केवल उत्पादन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि अपने उत्पादों को ब्रांडिंग और विपणन के माध्यम से बाजार में सफलतापूर्वक स्थापित भी कर रहे हैं। मलैनिया महिला फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड की यह सफलता केवल एक व्यावसायिक उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण महिलाओं के आत्मविश्वास, परिश्रम और सामूहिक शक्ति का प्रतीक भी है। बिहान समूह की दीर्घियां अपने

नवाचार, गुणवत्ता और समर्पण के बल पर स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई मजबूती प्रदान कर रही हैं तथा गांवों में रोजगार और आय के नए अवसर सृजित कर रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इसी प्रकार स्थानीय कृषि उत्पादों को प्रोत्साहन मिलता रहा तो छत्तीसगढ़ के ग्रामीण क्षेत्रों में महिला उद्यमिता का नया अध्याय लिखा जाएगा। विष्णु भाग चावल की बढ़ती लोकप्रियता इस बात का प्रमाण है कि राज्य सरकार की योजनाएं केवल महिलाओं की आय बढ़ा रही हैं, बल्कि स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय स्तरापर दिलाने का मार्ग भी प्रशस्त कर रही हैं।

12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर अंबिकापुर में होगा राज्य स्तरीय सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को अंबिकापुर स्थित पीजी कॉलेज ग्राउंड में राज्य स्तरीय सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। प्रातः 6 बजे से आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल करेंगे।कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष संजय अग्रवाल अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इसके साथ ही जनप्रतिनिधियों, विभिन्न आयोगों एवं मंडलों के पदाधिकारियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों, युवाओं, महिलाओं तथा विभिन्न सामाजिक एवं स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों की

सहभागिता रहेगी।इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम 'स्वस्थ आयु के लिए योग' (Yoga for Healthy Ageing) निर्धारित की गई है। कार्यक्रम का आयोजन आयुष मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों एवं कॉमन योग प्रोटोकॉल के अनुरूप किया जाएगा। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रतिभागी सामूहिक योगाभ्यास करेंगे तथा योग के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया जाएगा।मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को जनस्वास्थ्य और जनजागरूकता का महत्वपूर्ण अभियान बताते हुए कहा है कि योग भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर है, जो आज पूरी दुनिया को स्वस्थ और संतुलित जीवन का मार्ग दिखा रही है।करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।